दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -145 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 15 मई, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

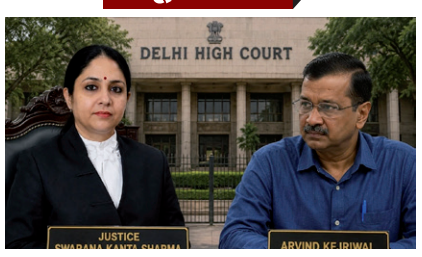

एक्शन नहीं लिया तो अराजकता फैलेगी, केजरीवाल समेत 5 आप नेताओं के खिलाफ अदालत की आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अदालत की आपराधिक अवमानना के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो समाज में अराजकता फैल जाएगी। इस मामले में केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और दुर्गेश पाठक के खिलाफ भी अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान न्यायपालिका की गरिमा का जिक्र करते हुए कोर्ट ने एक बेहद अहम और कड़ी टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि जब न्यायपालिका जैसी सर्वोच्च संस्था को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है, तो एक जज का यह सर्वोपरि दायित्व बन जाता है कि वह बिना किसी दबाव के काम करे और बदनामी की ऐसी कोशिशों से अपने फैसले को प्रभावित न होने दे। अदालत ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह भी कहा कि जब जज को इस मामले की सुनवाई से अलग होने की याचिका पर विचार किया जा रहा था, तब कोर्ट को ऐसा लगा था कि यह मुद्दा केवल एक न्यायिक आदेश की वैधता और पक्षपात की आशंका तक ही सीमित है।

इससे पहले, अदालत ने कहा था कि वह आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं को एमिकस क्यूरी के रूप में नियुक्त करेगी।

नीट पेपर लीक केस में बड़ा एक्शन, राउज एवेन्यू कोर्ट ने 5 आरोपियों को 7 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी | नीट यूजी परीक्षा 2026 में कथित धांधली और पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों को सीबीआई की कस्टडी में भेजा गया। राउज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार को आरोपियों को पेश किया गया, जहां सीबीआई की मांग को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने आरोपियों को 7 दिनों की सीबीआई कस्टडी में भेजा।

सीबीआई ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करते हुए उनकी रिमांड की मांग की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीबीआई को यह निर्देश दिया कि आरोपियों को एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराई जाए और गिरफ्तारी के आधार स्पष्ट रूप से बताएं।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि जांच के दौरान वॉट्सऐप और टेलीग्राम चैट से ऐसे सबूत बरामद हुए हैं, जिनमें वही सवाल मौजूद हैं, जो नीट परीक्षा में पूछे गए थे। जांच एजेंसी के अनुसार, करीब 100 सवाल पहले ही लीक कर दिए गए थे और आरोपियों द्वारा प्रश्नपत्र के साथ उत्तर कुंजी भी उपलब्ध कराई गई थी, ताकि सही जवाबों की जानकारी दी जा सके।

सीबीआई ने दलील दी कि यह एक व्यापक साजिश है और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका है, इसका पता लगाना जरूरी है। एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि इस पूरे नेटवर्क में संभावित रूप से पब्लिक सर्वेंट, सरकारी कर्मचारी और प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े लोगों की संलिप्तता की जांच करनी है, जिसके लिए आरोपियों की कस्टडी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल आत्मनिर्भरता की ओर मध्यप्रदेश

• भोपाल संवाददाता

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश 'जल आत्मनिर्भरता' का एक नया इतिहास लिख रहा है। प्रदेश की जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और नवीन जल स्रोतों के निर्माण के उद्देश्य से शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब अपने निर्णायक दौर में है। अभियान में न केवल लुप्त हो रही जल संरचनाओं को जीवनदान मिल रहा है, बल्कि वैज्ञानिक पद्धतियों से वर्षा जल के संग्रहण (Rain Water Harvesting) की क्षमता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 77 हजार 121 जल संरक्षण संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, जो राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन के लिए एक सुखद संकेत है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा महात्मा गांधी नरेगा

(मनरेगा) के समन्वय से संचालित इस विशाल अभियान के लिए राज्य सरकार ने व्यापक वित्तीय प्रावधान किए हैं। पूरे प्रदेश में कुल 2 लाख 42 हजार 188 कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए 6,201.81 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में अब तक 4,443.85 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। अभियान का मुख्य उद्देश्य 'खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में' रोकने की अवधारणा पर है, ताकि आगामी मानसून में वर्षा की हर बूंद का संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

सूक्ष्म स्तर पर हो रही मॉनिटरिंग

अभियान के अंतर्गत कार्यों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर सूक्ष्म स्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। विशेष रूप से 'डग वेल रिचार्ज' (सूखे कुओं का पुनर्भरण) में प्रदेश ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जहाँ 88,123 से अधिक कुओं को रिचार्ज करने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और पशुपालन की सुविधा के लिए 53,568 खेत तालाबों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। जल संरक्षण और पुनर्भरण की अन्य विधियों के तहत 27,332 कार्य संपन्न हुए हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण को मजबूती देने के लिए वृक्षारोपण और स्कूलों में जल टैंकों की सफाई जैसे रचनात्मक कार्यों को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया गया है। JSJB 2.0 (जल संचयन जल भागीदारी) पहल के तहत भी 10 लाख से अधिक कार्यों का पंजीकरण राज्य की सक्रियता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली मेट्रो में किया सफर

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को दिल्ली प्रवास के दौरान मेट्रो ट्रेन से सफर कर मितव्ययता का उदाहरण प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि देश में बढ़ते ट्रैफिक दबाव, प्रदूषण और वर्तमान वैश्विक संकट के दृष्टिगत भविष्य के लिए ईंधन की बचत और वर्तमान में की जा रही खपत को कम करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगातार पब्लिक ट्रांसपोर्ट और मेट्रो के अधिक उपयोग की अपील की है। इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन से एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन मेट्रो में यात्रा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम यात्रियों के बीच रहकर सफर किया और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के महत्व को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मेट्रो सफर की सभी नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक क्षेत्र में काफी चर्चा रही। इसे एक प्रतीकात्मक और प्रभावशाली संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आम नागरिकों को भी यह प्रेरणा मिलती है कि यदि जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं, तो सभी इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए 2 दिन घर से काम अनिवार्य, प्राइवेट सेक्टर को भी मिलेगी सलाह

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) व्यस्त समय में यातायात जाम और ईंधन की खपत कम करने के लिए कार्यालय समय में भी बदलाव करेंगे। दिल्ली सरकार ईंधन की बचत और जिम्मेदार खपत के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने हेतु एक अभियान शुरू करने की भी योजना बना रही है। दिल्ली ने सरकारी कर्मचारियों के लिए सप्ताह में 2 दिन घर से काम करना अनिवार्य घोषित किया है, निजी क्षेत्र के लिए जल्द ही परामर्श जारी किया जाएगा। वहीं सरकार प्राइवेट कंपनियों से भी दो दिन के वर्क फ्रॉम होम की अपील करेगी। सीएम ने कहा है कि सरकार पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों स्तरों पर काम कर रही है। इसके लिए 'मेरा भारत मेरा योगदान' स्कीम शुरू की गई है।

दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) व्यस्त समय में यातायात जाम और ईंधन की खपत कम करने के लिए कार्यालय समय में भी बदलाव करेंगे। दिल्ली सरकार ईंधन की बचत और जिम्मेदार खपत के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने हेतु एक अभियान शुरू करने की भी योजना बना रही है। सरकार ने सरकारी वाहनों का उपयोग कम करने का भी निर्णय लिया है। अधिकारियों को आवंटित पेट्रोल की सीमा 20% कम कर दी गई है, जिससे मासिक सीमा 200 लीटर से घटकर 200 लीटर हो गई है। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अन्य कदम के तहत, दिल्ली में 'मेट्रो दिवस' मनाया जाएगा, साथ ही सरकार लोगों से सप्ताह में एक बार 'कार-मुक्त दिवस' मनाने की अपील करेगी।

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स बनाएगा समावेशी विश्व व्यवस्था', पीएम बोले- ग्लोबल साउथ को मिलेगा नया मंच

नई दिल्ली, एजेंसी | नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देशों का समूह बहुपक्षवाद को मजबूत करने, सतत विकास को बढ़ावा देने और अधिक समावेशी विश्व व्यवस्था बनाने की दिशा में मिलकर काम करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स आज उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है और यह ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आवाज देने का कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स संगठन आर्थिक मजबूती बढ़ाने, वैश्विक सहयोग को मजबूत करने और संतुलित विश्व व्यवस्था तैयार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रखने की आवश्यकता है। ब्रिक्स इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में बहुपक्षवाद यानी मल्टीलेटरलिज्म को मजबूत करना समय की जरूरत है।

गुजरात के राज्यपाल ने अब चलाई साइकिल, गैर-जरूरी ईंधन खपत कम करने का दिया संदेश

अहमदाबाद, एजेंसी | गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से गुरुकुल तक की दूरी साइकिल से तय की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोलियम पदार्थों के गैर-जरूरी इस्तेमाल को कम करने की अपील पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने बुधवार को गुजरात से कुरुक्षेत्र तक ट्रेन से यात्रा की थी। उन्होंने हवाई यात्रा बंद करने और अपने सुरक्षा काफिले का आकार कम करने के अपने फैसले को दोहराया।

राज्यपाल देवव्रत लगभग 9:30 बजे शताब्दी एक्सप्रेस से कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां नागरिकों और गुरुकुल परिवार के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने स्टेशन से रेलवे रोड, आर्य समाज मार्केट, पैनोरामा चौक और बिरला मंदिर से होते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय रोड से गुरुकुल तक साइकिल चलाई। इस दौरान स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के खिलाड़ियों सहित लगभग 200 साइकिल सवारों ने ओएसडी डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार और गौरव आर्य के साथ इस रैली में हिस्सा लिया।

थलपति विजय ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को दिया तोहफा, महंगाई भत्ता 2% बढ़ाया

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | थलपति विजय की अगुवाई वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने तमिलनाडु के सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों को बड़ा तोहफा दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने गुरुवार को सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। एक आधिकारिक प्रेस रिलीज के अनुसार, इस संशोधन के साथ महंगाई भत्ता (डीए) 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह इजाफा एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर सालाना 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा।

इसमें कहा गया है कि सरकार आवश्यक अतिरिक्त धनराशि आवंटित करेगी और सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करेगी। साथ ही कहा गया है कि विजय ने लोगों के लिए अलग-अलग कल्याणकारी योजनाएं तैयार करने और उन्हें लागू करने के लिए कदम उठाने का संकल्प लिया है।

इसके अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने कहा कि महिलाओं को 'कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना की मई माह की किस्त जल्द ही दी जाएगी। इस योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपये दिए जाते हैं।

इसकी शुरुआत पूर्ववर्ती द्रविड मुनेत्र कषगम सरकार ने की थी और इसका नाम पार्टी के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया।

विजय के हवाले से जारी सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

काले कोट में पहुंची थी कलकत्ता हाई कोर्ट

• कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता | पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार (14 मई 2026) को कलकत्ता हाईकोर्ट में एक वकील के तौर पर पेश हुईं. वह हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका पर बहस करने के लिए पहुंची थीं. इसके बाद जब ममता बनर्जी कोर्ट से बाहर आईं तो उनके खिलाफ 'चोर-चोर' के नारे लगाए गए. मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को संभाला.

कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंची

ममता बनर्जी

यह पीआईएल कलकत्ता हाईकोर्ट के वकील और चार बार के तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के बेटे सिरसन्या बनर्जी ने दायर की थी. सिरसन्या बनर्जी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में हुगली जिले की उत्तरपारा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार थे. हालांकि, उन्हें बीजेपी उम्मीदवार और पूर्व एनएसजी कमांडेंट दीपंजन चक्रवर्ती ने 10,000 से अधिक वोटों के अंतर से हरा दिया था.

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को सीधी चेतावनी, नजर उठाई तो वो होगा जो अब तक नहीं हुआ

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान को आगाह करते हुए कहा कि यदि उसने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की ''तो जो अब तक नहीं हुआ है वह होकर रहेगा।'' सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि हम आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के 'आपरेशन सिंदूर' ने नया इतिहास बनाया है। रक्षामंत्री नागौर के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा,''शायद पाकिस्तान फिर से भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत ना करे और आज आपको इस धरती से बतलाकर जा रहा हूं कि यदि पाकिस्तान ने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की तो जो अब तक नहीं हुआ है वह होकर रहेगा।'' उन्होंने कहा,''प्रारम्भ से ही हमारी नीति रही है... हम किसी को छेड़ते नहीं है लेकिन हमको यदि कोई छेड़ता है तो हम छोड़ते भी नहीं हैं।'' पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने लोगों से उनका धर्म पूछकर मारा। उन्होंने कहा, ''हमारी भारतीय संस्कृति कहती है कि जाति या धर्म मजहब के आधार पर कोई विभाजन नहीं होना चाहिए। हम इंसाफ और इनसानियत में विश्वास रखते हैं।लेकिन पाकिस्तान के आतंकवादी आकर, लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोलियों से भून रहे थे।''

सिंह ने कहा, ''पूरा देश इस घटना से आक्रोशित था। उसके बाद हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश ही उड़ गए। हमने यह साबित कर दिया कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा है। अब अगर कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो अब हम उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। यह संदेश हमने दे दिया।'' उन्होंने कहा,''जिस तरह से हमारे जवान देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह हमारी सरकार भी योजनाओं के मामले में उनके साथ कदम से कम मिला कर चल रही है।

22 जिलों में कुदरत का रौद्र रूप, तूफान-बारिश से 111 की मौत, सीएम योगी का आदेश- युद्धस्तर पर हो राहत कार्य

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर प्रदेश में भीषण मौसम का कहर जारी है, जहां आंधी, मलबा गिरने और बिजली गिरने जैसी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 111 हो गई है। राजस्व सचिव और राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि पिछले 24 से 36 घंटों में बिजली गिरने और आंधी से संबंधित घटनाओं की समीक्षा के लिए जिला अधिकारियों के साथ बैठक की गई। राहत आयुक्त के अनुसार, मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे दबने से 107 लोगों की मौत हो गई, जबकि बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हुई। इस आपदा में कुल 72 लोग घायल हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को

24 घंटे के अंदर पीड़ितों को राहत देने के आदेश दिये हैं। अधिकारियों ने 170 छोटे-बड़े जानवरों के मारे जाने की सूचना दी, जबकि 227 घरों को आंशिक या पूर्ण क्षति पहुंची। प्रशासन ने बताया कि नुकसान की जानकारी जिला अधिकारियों से प्राप्त हुई है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में भीषण मौसम के कारण नुकसान हुआ है।

जिला मजिस्ट्रेटों को युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत आयुक्त ने कहा कि सरकारी मानदंडों के अनुसार अनुग्रह राशि वितरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है और इसकी निगरानी यहीं से की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तुरंत तेज करने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1070 पर लगातार कॉल आ रहे हैं और तदनुसार कार्रवाई की जा रही है।

केरलम के नए सीएम सतीशन ने राज्यपाल से की मुलाकात, सरकार बनाने का दावा किया पेश

• नई दिल्ली, एजेंसी

केरल के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर वी.डी सतीशन के नाम की घोषणा के साथ ही मुख्यमंत्री को लेकर जारी संशय खत्म हो गया है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने अब अपना ध्यान राजनीतिक खींचतान से हटाकर सत्ता हस्तांतरण पर केंद्रित कर लिया है। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी.डी सतीशन सोमवार को शपथ ग्रहण करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री का मुद्दा सुलझने के बाद यूडीएफ के भीतर नए मंत्रिमंडल की संरचना को लेकर गहन चर्चा शुरू हो गई।

सूत्रों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि सभी 20 मंत्री सतीशन के साथ शपथ लें, जिससे मंत्रिमंडल के चरणबद्ध विस्तार की संभावना समाप्त हो जाएगी और इसके बजाय पहले ही दिन पूर्ण पैमाने पर राजनीतिक शुभारंभ का विकल्प चुना जाएगा।

केरल में परंपरागत रूप से गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता शपथ समारोह के दौरान मुख्यमंत्री के साथ शपथ लेते हैं, हालांकि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में हुई देरी के बाद बची हुई अनिश्चितता की जरा सी भी आशंका से बचने के लिए कांग्रेस नेतृत्व उत्सुक नजर आ रहा है। यूडीएफ जो संदेश देना चाहता है वह स्पष्ट है। अशांति समाप्त हो गई है, सरकार तैयार है और गठबंधन एकजुट है।

आज आ सकता है भोजशाला का फैसला, 6 अप्रैल से 12 मई तक चली थी सुनवाई

इंदौर | धार भोजशाला मंदिर है या मस्जिद, यह शुक्रवार को तय होने की संभावना है। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में इस मामले में पांच जनहित याचिकाएं सुनीं। 24 दिन तक सभी पक्षों ने अपने अपने अपने तर्क रखे और दो दिन पहले कोर्ट से अंतिम सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब शुक्रवार को फैसला सुनाया जा सकता है।

कोर्ट में इस साल 6 अप्रैल से इस मामले में सुनवाई हुई थी, जो 12 मई तक चली। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी यह फैसला सुनाएंगे। इसके बाद तय होगा कि भोजशाला मंदिर है या मस्जिद। भोजशाला मामले में 13 साल से सुनवाई चल रही है। पांच जनहित याचिकाओं में से दो हिंदू पक्ष ने, एक मस्जिद पक्ष ने, एक जैन समाज ने और एक रहवासियों ने दायर की है। हिंदू पक्ष ने भोजशाला को मंदिर घोषित करने और हिंदुओं को हर दिन पूजा का अधिकार मांग है। उधर मस्जिद पक्ष इसे मस्जिद घोषित करने और नमाज की अनुमति मांग रहा है। जैन समाज भोजशाला को जैन मंदिर बताया और कहा कि यहां अंबिका देवी की मूर्ति स्थापित थी। इसके साथ ही जैन समाज ने पूजा का अधिकार मांगा।

एएसआई ने किया 98 दिनों तक सर्वे- हाई कोर्ट के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने भोजशाला परिसर में पिछले साल 98 दिन सर्वे किया और दो हजार पेज को सर्वे रिपोर्ट पेश की। सर्वे के दौरान भोजशाला में मिली मूर्तियां, शिलालेख, सिक्के इत्यादि का उल्लेख भी अपनी रिपोर्ट में किया और निर्माण संरचना को 12वीं शताब्दी का बताया। केंद्रीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने भी अपना पक्ष रखा। अफसरों ने कोर्ट को बताया कि इस स्थल पर परमार राजाओं के शासनकाल का एक विशाल ढांचा मौजूद था और वर्तमान निर्माण भी उसी पत्थरों से किया गया। इस सर्वे पर मुस्लिम पक्ष ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई और सर्वे को गलत बताया। इस पक्ष ने सर्वे की वीडियोग्राफी भी मांगी थी, जो कोर्ट के निर्देश पर दी गई।

एएसआई ने दो हजार से अधिक पन्नों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि प्राप्त स्थापत्य अवशेष, मूर्तियों के खंड, साहित्यिक ग्रंथों वाले बड़े शिलालेख, स्तंभों पर नागकर्णिका अभिलेख आदि इस बात का संकेत देते हैं कि इस स्थल पर साहित्यिक और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ा एक बड़ा ढांचा मौजूद था। वैज्ञानिक जांच और उत्खनन में मिले पुरातात्विक अवशेषों के आधार पर इस पूर्ववर्ती संरचना को परमार काल का माना जा सकता है।

गर्मी और लोड से गर्म हो रहे ग्रिडों के पावर ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के लिए लगाए कूलर

इंदौर | इंदौर में भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच शहर की बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बड़े कदम उठाए हैं। 70 जगहों पर कूलर लगाए गए हैं, ट्रांसफार्मरों को पंखों और पानी से ठंडा किया जा रहा है।

इंदौर में लगातार तापमान बढ़ रहा है और बिजली की डिमांड भी बढ़ रही है। इससे ग्रिडों पर लगे पावर ट्रांसफार्मरों पर भी लोड बढ़ गया है। बाहरी तापमान से वायर गर्म न हो, इसके लिए इंदौर में 70 जगहों पर पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बड़े कूलर लगाए हैं। इसके अलावा कई जगह पंखों से भी ट्रांसफार्मरों को ठंडा किया जा रहा है। वहीं अर्थिंग के तारों को भी ठंडा करने के लिए पानी डाला जा रहा है। कई बार बिजली की डिमांड बढ़ने पर ग्रिड पर लोड आता है और फॉल्ट होने और जंबर खराब होने की स्थिति बन जाती है।

पिछले तीन दिनों से गर्मी काफी बढ़ी है और बिजली की मांग भी अधिक रही है। 12 मई को बिजली की मांग रिकार्ड स्तर की रही। मंगलवार को शहर में बिजली की अधिकतम मांग 685 मेगावाट दर्ज की गई, इस दिन कुल 1 करोड़ 53 लाख यूनिट बिजली का वितरण किया गया। बुधवार को भी बिजली की मांग उच्च स्तर पर रही। इस दिन अधिकतम मांग बढ़कर 707 मेगावाट दर्ज हुई और खपत करीब डेढ़ करोड़ यूनिट रही। भीषण गर्मी में कंपनी का फील्ड स्टाफ मैदान में डटा हुआ है। तकनीकी दिक्कत आने पर भरी दुपहरी में लोहे के पोल पर चढ़कर सुधार कार्य किया जा रहा है। इधर ग्रिडों पर इनबिल्ट पंखों की मदद से ठंडक पहुंचाई जा रही है, जहां जरूरत है वहां अतिरिक्त पंखों, जंबो और सामान्य कूलर का इंतजाम किया गया है।

ग्रिडों की अर्थिंग में नमी रखी जा रही है - ग्रिडों के अर्थिंग में बोरिंग एवं टैंकरों से पानी डालकर नमी बनाए रखी जा रही है, वहीं ट्रांसफार्मरों के अर्थिंग में भी पानी डालकर गर्मी में बिजली आपूर्ति सामान्य बनाए रखने की हर संभव कोशिश की जा रही है। - डीके गाठे, शहर अधीक्षण यंत्री

प्यासे इंदौर का फूटेगा गुस्सा, आज निगम के 22 जोन पर मटके फोड़ेंगे इंदौरी

इंदौर | Indore News: पानी की भारी कमी और जनता की परेशानी को देखते हुए कांग्रेस ने 15 मई को नगर निगम के सभी 22 जोनों पर एक साथ प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। 'मटका फोड़' आंदोलन के जरिए प्रशासन से जलापूर्ति सुधारने की मांग की जाएगी।

इंदौर शहर इन दिनों भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहा है। शहर की निचली बस्तियों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक पानी की हाहाकार मची हुई है। स्थिति यह है कि कई इलाकों में लोग पूरी तरह से निजी और नगर निगम के टैंकरों पर आश्रित हो गए हैं। पानी की किल्लत से आक्रोशित जनता कई स्थानों पर सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज करा चुकी है, लेकिन प्रशासन के आश्वासनों के बावजूद जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस बनी हुई है।

कांग्रेस ने कसी कमर, जल संकट पर आंदोलन की तैयारी - जनता की इस मूलभूत समस्या को देखते हुए अब विपक्षी दल कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। शहर में व्याप्त पानी की समस्या को लेकर कांग्रेस ने एक विस्तृत रणनीति तैयार की है। पार्टी का लक्ष्य शासन और प्रशासन पर दबाव बनाना है ताकि प्रभावित क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से सुनिश्चित की जा सके। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में अच्छी सक्रियता देखी जा रही है। शहर में जनता से अपील के लिए वाहन चलाए जा रहे हैं, लगातार बैठकें हो रही हैं और लोगों के घरों में जाकर दस्तक दी जा रही है।

22 जोन पर एक साथ होगा हल्ला बोल - शहर कांग्रेस अध्यक्ष और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के अनुसार, पूरे इंदौर में जल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। उन्होंने बताया कि लोग टैंकरों से पानी भरने के लिए लंबी कतारों में लगने को मजबूर हैं। इस अव्यवस्था के खिलाफ आगामी 15 मई को कांग्रेस पार्टी नगर निगम के सभी 22 जोनों पर एक साथ विशाल प्रदर्शन करने जा रही है। इस आंदोलन में आम जनता को भी साथ जोड़ा जाएगा ताकि उनकी आवाज बुलंद की जा सके।

गांधी भवन में बैठकों का दौर - प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए इंदौर के गांधी भवन में पिछले तीन-चार दिनों से गहमागहमी का माहौल है। यहां रोजाना तीन से चार घंटे तक लंबी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में आंदोलन की रूपरेखा तय की जा रही है और विभिन्न नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। चिंटू चौकसे ने स्पष्ट किया कि 15 तारीख की सुबह सभी जोनों पर एक साथ प्रदर्शन शुरू होगा। इसमें निर्वाचित पार्षदों, ब्लॉक अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं को तैनात किया गया है।

मटका फोड़ प्रदर्शन के जरिए दर्ज होगा विरोध - कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि जनता के हक के लिए है। उन्होंने कहा कि लोगों की सिर्फ एक ही मांग है कि उन्हें पर्याप्त पानी दिया जाए। विरोध स्वरूप प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से खाली मटके लेकर आएंगे। इन मटकों को नगर निगम के जोनल कार्यालयों पर फोड़कर प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया जाएगा और पानी की मांग दोहराई जाएगी।

योग आयोग अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ने कहा- हर जिले में खोले जाएंगे योग प्रशिक्षण केंद्र

इंदौर | प्रदेश में योग को शिक्षा से जोड़कर नई पीढ़ी को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। योग आयोग के अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा ने इंदौर में कहा कि जल्द ही योग का पाठ्यक्रम स्कूलों में अन्य विषयों की तरह पढ़ाया जाएगा।

योग आयोग के अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा इंदौर में प्रेस से मिलाने के कार्यक्रम में पत्रकारों से मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार ने योग नीति बनाई है। उसे शिक्षा के साथ लागू किया गया है। उसका पाठ्यक्रम भी तैयार हो रहा है। जल्दी ही वह प्रिंट भी होगा। इसे अन्य विषयों के साथ कक्षा में पढ़ाया जाएगा।

विद्यार्थियों को योग विधा का ज्ञान भी होना चाहिए। प्रदेश में योग शिक्षा विभाग से जुड़ा है। हमारी कोशिश है कि युवा वर्ग योग से जुड़े और खुद को फिट रखे। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में योग नहीं है तो जीवन सार्थक नहीं है।

योग मानसिक रूप से भी इंसान को मजबूत करता है। शर्मा ने कहा कि जब वे बाल आयोग के अध्यक्ष थे, तो परीक्षा में कम नंबर लाने वाले या असफल हो जाने पर आत्महत्या करने वाले कई विद्यार्थियों के परिजनों से मिले। तब यह बात सामने आई कि युवाओं के जीवन का लक्ष्य तय नहीं रहता। वे श्रणिक सफलता के पीछे भागते हैं। योग हमें मानसिक रूप से भी मजबूत बनाता है। यह जीवन में बहुत आवश्यक है।

शर्मा ने बताया कि हर जिले में योग कमेटी बनी है। हम ब्लॉक और वार्ड स्तर पर कमेटियां बनाएंगे। हर जिले में योग प्रशिक्षण केंद्र भी खोले जाएंगे और तैयार हुए प्रशिक्षकों को अलग-अलग स्थानों पर भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में योग आयोग वर्ष 2022 में बना है।

गुजरात और छत्तीसगढ़ में भी योग आयोग बने हैं और बेहतर काम कर रहे हैं। मैं दोनों योग आयोगों के अध्यक्षों से जल्दी ही मिलूंगा। प्रदेश में भी कोशिश की जाएगी कि योग केंद्र पंजीकृत हों और उनका संचालन हो सके। शर्मा का स्वागत प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने किया।

यूनिवर्सिटी में नर्मदा की टंकी फिर भी हजारों छात्र प्यासे, शहर को बंट रहा पानी, टैंकरों के भरोसे कैंपस

इंदौर | इंदौर के डीएवीवी कैंपस में भीषण जल संकट चल रहा है। वहीं परिसर में निगम की 25 लाख लीटर की टंकी होने के बावजूद नर्मदा जल नहीं मिल रहा है। 14 हजार छात्रों और 13 हॉस्टलों के लिए प्रतिदिन 20 टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के जिस तक्षशिला कैंपस से नगर निगम शहर को नर्मदा के पानी की आपूर्ति कर रहा है, उसी स्थान पर वर्तमान में बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। विडंबना यह है कि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर ही नगर निगम की लगभग 25 लाख लीटर क्षमता वाली पानी की विशाल टंकी स्थित है। इस टंकी के माध्यम से शहर के कई नजदीकी इलाकों में जल की नियमित सप्लाई की जा रही है, परंतु विश्वविद्यालय स्वयं इस सुविधा का लाभ उठाने से वंचित है। पिछले दो वर्षों के दौरान नर्मदा जल कनेक्शन प्राप्त करने के लिए दो बार आवेदन किए गए, लेकिन प्रक्रिया फाइलों में ही अटकी हुई है। वर्तमान में 14 हजार छात्र-छात्राओं और 13 हॉस्टल की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिदिन करीब 20 टैंकरों की सहायता लेनी पड़ रही है। गर्मी का प्रभाव बढ़ने के साथ ही कैंपस में स्थित बोरिंग का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है, जिससे यह समस्या और अधिक गंभीर हो गई है।

बिना अनुमति नई टंकी का निर्माण - नगर निगम ने विश्वविद्यालय प्रशासन से किसी भी प्रकार की पूर्व मंजूरी लिए बिना ही अमृत-2 योजना के अंतर्गत कैंपस में एक और बड़ी पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह नई टंकी आईटी पार्क के सामने और विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम के समीप बनाई जा रही है। इस सक्रियता के बावजूद विश्वविद्यालय को अब तक नर्मदा जल का वैध कनेक्शन नहीं मिल सका है। प्रशासन के अनुसार पांच-छह महीने पहले एक बड़े नल कनेक्शन के लिए आवेदन दिया गया था, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पहले भी एक वर्ष पूर्व किए गए आवेदन का कोई परिणाम नहीं निकला और वह सरकारी दस्तावेजों में ही दबा रह गया।

निगम की कार्यप्रणाली पर खड़े हुए सवाल - विश्वविद्यालय प्रबंधन ने नगर निगम की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उनकी अपनी जमीन पर पानी की टंकी होने के उपरांत भी उन्हें ही कनेक्शन देने में टालमटोल किया जा रहा है। नई टंकी के निर्माण हेतु नगर निगम ने कोई औपचारिक अनुमति लेना भी आवश्यक नहीं समझा। पूर्व कुलपति रेणु जैन के समय इस विषय पर मौखिक आपत्ति दर्ज कराई गई थी, किंतु उनके जाने के तुरंत बाद निर्माण कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया।

सर्वे के बाद भी अटकी कार्यवाही - यूनिवर्सिटी के इंजीनियर नगेंद्र सोहनी के अनुसार गर्मी बढ़ते ही पानी की किल्लत बढ़ गई है और रोजाना 20 टैंकर बुलवाए जा रहे हैं। दो साल में दो बार आवेदन करने के बाद पिछले साल वीसी बंगले और गर्ल्स हॉस्टल के पास संपवेल का निर्माण भी कराया गया था ताकि पानी मिलने पर उसका भंडारण किया जा सके। नगर निगम की टीम ने मौके पर आकर सर्वे भी कर लिया है, लेकिन लिखित रूप में औपचारिकताएं आगे नहीं बढ़ाई गई हैं।

कैंपस की विशाल जनसंख्या और घटते संसाधन - कैंपस में वर्तमान में 36 विभाग संचालित हैं जिनमें 14 हजार से ज्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। आईईटी कैंपस सहित यहां 13 हॉस्टल और 200 से अधिक आवासीय मकान हैं। इनकी जलापूर्ति केवल बोरिंग और टैंकरों पर टिकी है। परिसर में मौजूद 20 बोरिंग में से कई सूख चुकी हैं। कैंपस के आसपास के क्षेत्रों में नर्मदा कनेक्शन है पर विश्वविद्यालय इससे अछूता है। आईईटी में भी रोजाना टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे का कहना है कि टंकी हमारे कैंपस में है पर पानी नहीं मिल रहा। दूसरी ओर निगम के एडिशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने कहा कि उनके संज्ञान में आवेदन का मामला नहीं है और बल्क कनेक्शन के लिए प्रक्रिया का पालन करना होगा।

इंदौर से पहली बार रेल विभाग कराएगा नेपाल यात्रा, 12 जून को जाएगी विशेष ट्रेन

इंदौर | मध्य प्रदेश से पहली बारआईआरसीटीसी नेपाल यात्रा आयोजित करने जा रहा है। यात्रियों को काठमांडू, पोखरा और चितवन राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए यात्रियों को 72 हजार से लेकर 90 हजार रुपये तक खर्च करनाा होंगे।

मध्य प्रदेश से अभी तक देश के तीर्थ स्थानों तक आईआरसीटीसी रेल से यात्राएं प्लान करता था, लेकिन पहली बार प्रदेश के यात्रियों को नेपाल यात्रा पर ले जाया जा रहा है। इस यात्रा के लिए ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सिहोर, भोपाल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना होते हुए जाएगी। इन स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सवार हो सकते हैं।

रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि 60 से ज्यादा यात्रियों ने इस ट्रेन के लिए बुकिंग भी करा दी है। 9 दिनों के सफर में चितवन राष्ट्रीय उद्यान, पोखरा, और काठमांडू के दर्शनीय व धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा के लिए एसी थर्ड श्रेणी के यात्रियों के लिए 62,710 रुपये, सेकंड एसी के लिए 76,550 रुपये, और एसी प्रथम श्रेणी के लिए 90,400 रुपये खर्च करने होंगे।

इस ट्रेन में यात्रियों के लिए एक रेस्त्रां कोच भी रहेगा, जिसमें लंच और डिनर परोसा जाएगा। यात्रा में ट्रेन किराए के अलावा बस और रहने का खर्च भी शामिल है। उन्होंने बताया कि भारत गौरव डिलक्स ट्रेन में पहली बार इस तरह की यात्रा प्रदेश से प्लान की गई है।

नेपाल यात्रा में पासपोर्ट की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन यात्रियों को अपना मतदाता परिचय पत्र रखना होगा। इस यात्रा को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इंदौर और भोपाल के अलावा प्रदेश के दूसरे शहरों के यात्रियों ने भी रुचि दिखाई है।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील के बाद सराफा बाजार में सुस्ती, व्यापारियों में बढ़ी चिंता

उज्जैन | प्रधानमंत्री की ओर से सीमित मात्रा में सोना खरीदने की अपील का असर अब बाजार में दिखने लगा है। उज्जैन के सराफा व्यापारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों के बीच अब ग्राहकों ने भी खरीदारी कम कर दी है।

सोने और चांदी की खरीद को लेकर केंद्र सरकार के हालिया फैसलों के बाद सराफा बाजार में हलचल तेज हो गई है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सीमित मात्रा में सोना खरीदने की अपील, वहीं दूसरी ओर सोने-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी 6 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के फैसले ने कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। व्यापारियों का कहना है कि इसका सीधा असर बाजार, रोजगार और लाखों परिवारों की आजीविका पर पड़ेगा।

सराफा व्यापारी सुनील जैन ने कहा कि वे प्रधानमंत्री की अपील से सहमत हैं। उनका कहना है कि भारत में हर साल बड़ी मात्रा में सोना आयात होता है और इसके लिए डॉलर में भुगतान करना पड़ता है। डॉलर की बढ़ती कीमतों का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने ग्राहकों से अपील की कि शादी-ब्याह जैसी जरूरतों तक ही सोना खरीदें और अनावश्यक खरीदारी से बचें।

व्यापारी सिद्धार्थ जैन और लव सोनी ने भी प्रधानमंत्री की अपील को राष्ट्रहित में सही कदम बताया। उनका कहना है कि रुपये की गिरती कीमत को देखते हुए यह फैसला देशहित में जरूरी हो सकता है। हालांकि उन्होंने माना कि इससे सराफा कारोबार और कारीगरों पर असर पड़ेगा, फिर भी राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

सराफा व्यापारी अशोक गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्थायी रूप से सोना खरीदने से मना नहीं किया है, बल्कि फिलहाल संयम बरतने की बात कही है। उन्होंने कहा कि शादी-ब्याह के लिए लोग खरीदारी करते रहेंगे लेकिन निवेश के उद्देश्य से ज्यादा सोना खरीदने वालों की संख्या अधिक है, जिससे बाजार में तेजी आती है।

प्रधानमंत्री की अपील और बढ़ती कीमतों के बीच अब सराफा बाजार में सुस्ती के संकेत दिखाई देने लगे हैं। कारोबारियों का कहना है कि सोना-चांदी की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही कम हो रही है और लोग खरीदारी टालने लगे हैं।

व्यापारी संतोष भामा ने कहा कि पहले ही सोने की लगातार बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों की जेब पर असर डाला था, अब प्रधानमंत्री की अपील के बाद बाजार और धीमा पड़ने लगा है। उन्होंने कहा कि इस कारोबार से जुड़े छोटे दुकानदारों और कारीगरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।

वहीं व्यापारी जयेश सोनी और प्रदीप चौहान का कहना है कि यदि खरीदारी में गिरावट जारी रही तो सबसे ज्यादा असर छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री की अपील का असर लोगों की खरीदारी की मानसिकता पर साफ दिखाई देने लगा है और बाजार में पहले जैसी रौनक नहीं रही।

संक्षिप्त समाचार

हाट में खरीददारी के दौरान मोबाइल हुआ पार

भोपाल. शहर के बागसेवनिया थाना क्षेत्र में साप्ताहिक हाट में खरीददारी करते समय एक व्यक्ति बदमाश ने जेब में रखा मोबाइल पार कर दिया। फरियादी को इसका अहसास हो गया और उसने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया लेकिन बदमाश चंपत हो गया। थाना पुलिस के अनुसार फरियादी प्रद्युम्न सिंह बघेल पिता धीरेंद्र सिंह बघेल (34) ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलतः शहडोल जिले के रहने वाले हैं। प्रायवेट नौकरी करते हुए वह फिलहाल विद्या नगर में किराए से रहते हैं। रविवार की रात आठ बजे वह बागसेवनिया बाजार में साप्ताहिक हाट में खरीददारी करने गये थे। बाजार में भीड़ का फायदा उठाकर एक बदमाश ने उनके लोअर की दाहिनी जेब में हाथ डालकर मोबाइल निकालकर दौड़ लगा दी। चोरी का अहसास होते ही उन्होंने शोर मचाकर बदमाश को दबोचने का प्रयास किया लेकिन आरोपी भाग निकला। पुलिस ने झपटमारी का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

ड्यूटी कर रहे ट्रेन मैनेजर का मोबाइल झपटा

भोपाल. बेखौफ बदमाशों ने ट्रेन में ड्यूटी कर रहे ट्रेन मैनेजर का मोबाइल झपट लिया। मिली जानकारी के अनुसार सुंदर नगर अशोका गार्डन निवासी वसीम अकरम ने पुलिस को बताया की वह भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन मैनेजर (मेल व एक्सप्रेस) के रूप में कार्यरत हैं। दो दिन पहले रविवार को वह गाड़ी संख्या 22221 में ट्रेन मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। ट्रैन के भोपाल के प्लेटफार्म नंबर दो पर आने के समय अपने काम में व्यस्त थे। जैसे ही ट्रेन रवाना हुई तभी गाड़ी के साइड से अज्ञात व्यक्ति आया और उनका मोबाइल लेकर भाग निकला।

महिलाओ के पर्स छीनकर चंपत हो गए बदमाश

भोपाल। राजधानी के संत हिरदाराम स्टेशन के पास बदमाश चलती ट्रेन से दो महिलाओं के पर्स छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर चंपत हो गए। जानकारी के मुताबिक फरियादिया गीता शर्मा ने पुलिस को बतायसा की बीती 7 मई को वह क्षिप्रा एक्सप्रेस ट्रेन के कोच बी-3 में इंदौर से दुर्गापुर का सफर कर रही थीं। संत हिरदाराम स्टेशन के पास ट्रेन की स्पीड कम होने पर एक युवक आया और अपनी बर्थ पर लेटी गीता शर्मा के सिरहाने रखे पर्स पर झपट्टा छीनकर चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। पर्स में 20 हजार की नगदी, मोबाइल, दवाईयां सहित अन्य सामान रखा था। वहीं कोलकाता पश्चिम बंगाल निवासी अरुणावा श्रीवास्तव (64) ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह 10 मई को क्षिप्रा एक्सप्रेस से उज्जैन से कोलकाता की यात्रा कर रही थीं। इस दौरान उन्होने अपना पर्स गोद में रख लिया था।

प्लॉट बेचने के नाम पर महिला से लाखो की धोखाधड़ी

भोपाल। निशातपुरा इलाके में प्लॉट बेचने के नाम पर आरोपियो ने महिला से 12 लाख 79 हजार की धोखाधड़ी कर ली। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद न तो प्लॉट की रजिस्ट्री कराई गई और न ही पूरी रकम वापस की गई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी प्लॉट मालिक सहित दो ब्रोकरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नेहरू नगर निवासी असरंती वर्मा (27) ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह एक निजी कंपनी में नौकरी करती है। साल 2020 में उन्होंने ब्रोकर गणेश चंद्र और साद के माध्यम से डॉक्टर परीमाला त्यागी से एक प्लॉट का सौदा 13 लाख में किया था। यह प्लॉट भोपाल मेमोरियल अस्पताल के पास स्थित जमीन पर काटी गई कॉलोनी में है। सौदा तय होने पर असरंती ने 13 लाख की रकम आरोपियों को दे दी थी। आरोप है, कि तय समय सीमा के भीतर प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं कराई गई। वह जब भी रजिस्ट्री कराने के लिए संपर्क करती तब देते।

मध्य प्रदेश में बढ़ा गर्मी का कहर

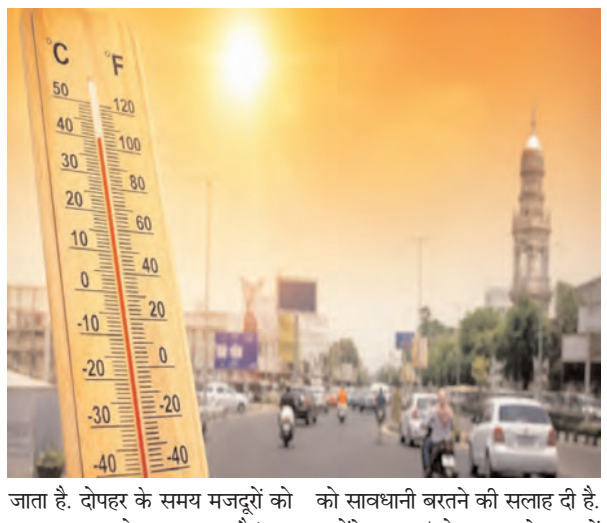

भोपाल. मध्य प्रदेश के बड़वानी में गर्मी ने अपने तेवर और ज्यादा तीखे कर दिए हैं. यहां तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. सुबह से ही तेज धूप लोगों को झुलसाने लगी है, जबकि दोपहर होते-होते गर्म हवाओं ने हालात और ज्यादा कठीन बना दिए हैं. भीषण गर्मी के चलते शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं. शहर की मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक सामान्य दिनों की तुलना में कम दिखाई दे रहा है. बाजारों और कॉलोनियों में दोपहर के समय वीरानी जैसी स्थिति रहती है. गर्मी का असर भवन निर्माण कार्यों पर भी साफ दिखाई दे रहा है. गृह निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों की संख्या कम हो गई है, जिससे कई निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं. राज मिस्त्री महेश ने बताया, 'तेज गर्मी के कारण दिन में काम करना बेहद मुश्किल हो गया है. सरिए और निर्माण सामग्री इतनी गर्म हो जाती है कि उन्हें पकड़ना कठिन हो जाता है. दोपहर के समय मजदूरों को बार-बार काम रोकना पड़ रहा है.' गृह निर्माण ठेकेदार अजीज शेख ने कहा, 'भीषण गर्मी के चलते मजदूर शहर में काम करने कम आ रहे हैं. तापमान अधिक होने से मजदूर जल्दी थक जाते हैं और कई लोग दोपहर में काम करने से मना कर देते हैं, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं. ' गर्मी से बचाव को लेकर मेडिकल ऑफिसर डॉ. जोसेफ सुलिया ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है. उन्होंने कहा, 'लोग ज्यादा देर धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और फल-फ्रूट व ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करें. इस समय लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा बना रहता है. शरीर से अत्यधिक पसीना निकलने के कारण डिहाइड्रेशन की संभावना बढ़ जाती है. हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट की बीमारी और घबराहट से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. ' मध्य प्रदेश में 4 दिन झुलसाएगी गर्मी, 15 इलाकों में लू का अलर्ट, भोपाल में हीटवेव रिकॉर्ड टूटा भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग नर्मदा घाटों का रुख कर रहे हैं. शाम के समय घाटों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ नजर आ रही है, जहां लोग नदी में डुबकी लगाकर राहत महसूस कर रहे हैं. मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है. ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है. फिलहाल जिलेवासियों को गर्मी से राहत मिलने के आसार कम नजर आ रहे हैं. 'लोग ज्यादा देर धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और फल-फ्रूट व ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करें. इस समय लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा बना रहता है. शरीर से अत्यधिक पसीना निकलने के कारण डिहाइड्रेशन की संभावना बढ़ जाती है. हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट की बीमारी और घबराहट से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. ' मध्य प्रदेश में 4 दिन झुलसाएगी गर्मी, 15 इलाकों में लू का अलर्ट, भोपाल में हीटवेव रिकॉर्ड टूटा भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग नर्मदा घाटों का रुख कर रहे हैं. शाम के समय घाटों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ नजर आ रही है, जहां लोग नदी में डुबकी लगाकर राहत महसूस कर रहे हैं. मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है. ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने और धूप से बचाव करने की सलाह दी है. फिलहाल जिलेवासियों को गर्मी से राहत मिलने के आसार कम नजर आ रहे हैं. 'लोग ज्यादा देर धूप में निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और फल-फ्रूट व ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करें. इस समय लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा बना रहता है. शरीर से अत्यधिक पसीना निकलने के कारण डिहाइड्रेशन की संभावना बढ़ जाती है. हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट की बीमारी और घबराहट से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए.

कार की टक्कर से घायल कॉलेज छात्रा ने 6 दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। शहर के वीआईपी रोड पर कार की टक्कर से घायल कॉलेज छात्रा ने हमीदिया अस्पताल में 6 दिन चले उपचार के बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक नूर महल शाहजहांनाबाद में रहने वाली 22 वर्षीय नेहा पुत्री लईक कॉलेज छात्रा थी। बीती 4 मई को वह अपनी सहेली जिकरा के साथ स्कूटी से रेतघाट की ओर जा रही थी। दोनों सहेलियों के वीआइपी रोड से गुजरते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों चलते वाहन सहित सडक़ पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। एक्सीडेंट के बाद राहगीरों की मदद से दोनों को इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया। नेहा के सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी हालत लगातार नाजूक होती गई आखिरकार रविवार को उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर रखा है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद प्रकरण में धाराएं बढ़ाई जाएगी। फिलहाल आरोपी वाहन चालक की पहचान जुटाने के लिये सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

मोबाइल हैक कर जालसाजों ने खाते से उड़ाये दो लाख

भोपाल। कोलार थाना इलाके में सरकारी कॉलेज के कर्मचारी को सायबर जालसाज ने अपना निशाना बनाते हुए उनके एकाउंट से दो लाख की रकम निकाल ली। एक दिन पहले फरियादी का मोबाइल हैंग हो गया था। अगले दिन उनके तीन खातों से लाखो की रकम निकल गई। पुलिस के मुताबिक सुमित्रा परिसर निवासी राजकुमार नामदेव (48) सरकारी कॉलेज में बाबू हैं। अपनी शिकायत में उन्होनें बताया की बीती 2 मई को उनका मोबाइल हैंग हो गया था। छोटी-मोटी तकनीकी परेशानी समझकर इस पर उन्होनें ध्यान नहीं दिया। अगले दिन वह गाड़ी में पेट्रोल डलवाने पेट्रोल पंप पहुंचे। वहॉ जब उन्होनें फोन-पे के माध्यम से पैमेंट करने का प्रयास किया लेकिन उनका ट्रांजेक्शन फेल हो गया। इसके बाद वह कारण जानने बैंक पहुंचे तब पता चला की उनके तीन खातों में जमा दो लाख रुपए की रकम अज्ञात जालसाजों ने निकाल ली है। फरियादी ने इसकी शिकायत पहले राष्ट्रीय हेल्प लाइन में की थी। जिसके बाद केस डायरी कोलार रोड थाने को भेजी गई। थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन फरियादी के बैंक से उन खातो से संबधित जानकारी मांगी है, जिन खातों में पैसा ट्रांसफर हुआ है।कोलार थाना इलाके में सरकारी कॉलेज के कर्मचारी को सायबर जालसाज ने अपना निशाना बनाते हुए उनके एकाउंट से दो लाख की रकम निकाल ली। एक दिन पहले फरियादी का मोबाइल हैंग हो गया था। अगले दिन उनके तीन खातों से लाखो की रकम निकल गई। पुलिस के मुताबिक सुमित्रा परिसर निवासी राजकुमार नामदेव (48) सरकारी कॉलेज में बाबू हैं

ड्राइवर ने फंदे पर लटककर की आत्महत्या

भोपाल। पिपलानी थाना इलाके में स्थित हथाईखेड़ा श्मशान के पास रहने वाले एक ड्राइवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह ट्रेवल्स की गाड़ी चलाता था। बताया जा रहा है कि रात के समय उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। अगली सुबह परिजनों की नींदं खुली तो उसका शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पुलिस के अनुसार सोनू यादव पुत्र स्वर्गीय प्रीतम सिंह यादव (34) हथाईखेड़ा श्मशान के पास आनंद नगर में रहता था। उसके परिवार में मां, पत्नी और दो बच्चे हैं। परिवार वालो ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात सोनू काम से लौटा था। उसकी किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई थी। कुछ देर बाद परिवार के सभी लोग सो गए। अगली सुबह परिजनो की नींद खुली तो सोनू फांसी के फंदे पर लटका नजर आया।

राजीनामे के बाद रेप के आरोपी ने शादी का झांसा देकर फिर किया दुष्कर्म

भोपाल.निशातपुरा इलाके में छह साल पहले हुए दुष्कर्म के मामले में पीड़िता ने पहले समझौता कर लिया। लेकिन चार साल बाद फिर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने युवक के साथ ही उसकी बहन को भी आरोपी बनाया है। पुलिस के मुताबिक 31 वर्षीय युवती गैस राहत कॉलोनी में रहती है। साल 2020 में आरोपी सलमान अहमद ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, लेकिन बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। बाद में 10 जून 2024 को आरोपी अपनी बहन असमा के साथ पीड़िता के घर पर पहुंचा था। जहां उसने पीड़िता से कहा कि वह शादी कर लेगा और उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने थाना पुलिस से लिखित में शिकायत की थी। आवेदन की जॉच के बाद पुलिस ने आरोपी सहित उसकी बहन के खिलाफ मामला कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। निशातपुरा इलाके में छह साल पहले हुए दुष्कर्म के मामले में पीड़िता ने पहले समझौता कर लिया। लेकिन चार साल बाद फिर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने युवक के साथ ही उसकी बहन को भी आरोपी बनाया है। पुलिस के मुताबिक 31 वर्षीय युवती गैस राहत कॉलोनी में रहती है। साल 2020 में आरोपी सलमान अहमद ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, लेकिन बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। बाद में 10 जून 2024 को आरोपी अपनी बहन असमा के साथ पीड़िता के घर पर पहुंचा था। जहां उसने पीड़िता से कहा कि वह शादी कर लेगा और उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने थाना पुलिस से लिखित में शिकायत की थी। आवेदन की जॉच के बाद पुलिस ने आरोपी सहित उसकी बहन के खिलाफ मामला कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

महीनो से चल रही रंजिश को लेकर दो परिवार भिड़े

भोपाल। ऐशबाग इलाके में बीते कई महीनो से चली आ रंजिश को लेकर बीती रात दो परिवार आपस में भिड़ गए। दोनों ही पक्षों की और से जमकर लाठी-डंडे वहीं एक पक्ष की ओर से छूरी से हमला किया गया। घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने दोनों ही पक्षों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार हर्ष मीणा और नरेंद्र सिंह राजपूत आचार्य नरेंद्र देव नगर में रहते हैं। पिछले साल सितंबर के महीने में गणपति की झांकी लगने के दौरान दोनों के परिवारों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी विवाद के चलते उनके बीच अनबन चली आ रही थी। इस दौरान जब भी वे आमने-सामने आते तो उनके बीच मामूली कहासूनी हो जाती थी। सोमवार रात इसी रंजिश के चलते उनके बीच फिर से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान चाकू से लगने से हर्ष मीना की बहन भावना गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि नरेंद्र सिंह के परिवार की महिला सदस्य रेखा भी चाकू के वार से घायल हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में करते हुए घायल महिलाओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती पहुचांया। पुलिस ने हर्ष मीणा की शिकायत पर आरोपी नरेंद्र राजपूत और रेखा के खिलाफ जबकि दूसरे पक्ष के नरेंद्र सिंह राजपूत की शिकायत पर आरोपी हर्ष मीणा, जीवन, लक्ष्मी, राधा, भावना, राहुल, हर्ष के साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मिल्क मैजिक ब्रांड में मिलावट का खुलासा

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मिलावटी डेयरी उत्पादों के निर्माण और निर्यात से जुड़े करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने भोपाल स्थित जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक किशन मोदी के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत अभियोजन शिकायत विशेष पीएमएलए कोर्ट में दायर की है। यह शिकायत 11 मई को पेश की गई, जिस पर अदालत ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद संज्ञान भी ले लिया है। ईडी के अनुसार कंपनी मिल्क मैजिक ब्रांड नाम से डेयरी उत्पादों का कारोबार करती थी।

पिता-पुत्र ने बुजुर्ग को ईटं मारकर किया घायल

भोपाल। शहर के कोहेफिजा थाना क्षेत्र में मामूली विवाद में पड़ोस में रहने वाले आरोपी पिता-पुत्र ने बुजुर्ग के सिर पर ईट से वार कर उसे बुरी घायल कर दिया। थाना पुलिस के अनुसार हमले में शेख जाफर अंजाना पिता शेख इस्माईल (75) करबला रोड स्थित साजिदा नगर में रहते हैं। रविवार की सुबह करीब 11 बजे तेज हवा चलने के कारण उनके घर पर रखा कांच आरोपी पड़ोसी के घर के पास सड़क पर गिर गया था। उसे उठाने को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान गुस्साये आरोपी पड़ोसी पिता-पुत्र ने बुजुर्ग पर ईट से वार कर दिया जिससे वह बेहोश हो गए थे। बाद में होश में आने पर उन्होंने गांधी नगर में रहने वाले बेटे को जानकारी दी। बेटे के आने के बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुचें। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, फिलहाल आरोपियो के नाम सामने नहीं आये है।

जज की प्रेग्नेंट बहू ने लगाई फांसी

भोपाल।भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में रिटायर्ड महिला जज की प्रेग्नेंट बहू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटी के हाथ और कान पर चोट के नीले निशान हैं। मृतक की पहचान 31 वर्षीय ट्विशा शर्मा के रूप में हुई। ट्विशा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब एक साल पहले भोपाल निवासी वकील सामर्थ शर्मा से हुई थी। ट्विशा का भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर है। उसने बताया कि मंगलवार रात ट्विशा ने उन्हें फोन किया था। कहा था कि उसका पति पिछले 8 दिन से प्रताड़ित कर रहा था। छोटी-छोटी बातों पर उसका अपमान किया जा रहा है। मानसिक उत्पीड़न बढ़ गया है। उसने बताया था कि वह भोपाल छोड़कर मायके लौटना चाहती है। परिवार के अनुसार, उसने नोएडा आने के लिए रिजर्वेशन भी करा लिया था, लेकिन इससे पहले उसकी मौत की खबर आ गई। परिजन का आरोप है कि फोन पर बात होने के कुछ समय बाद सास का कॉल आया। सास ने बताया कि ट्विशा की मौत हो चुकी है और उसने घर में फांसी लगा ली है। इसके बाद मायके वाले भोपाल पहुंचे। मेजर हर्षित का आरोप है कि शादी के शुरुआती समय तक सब सामान्य था। नौकरी छोड़ने के बाद ट्विशा के साथ व्यवहार बदल गया। उसे 'नाकारा' कहकर ताने दिए जाते थे। परिवार और उसकी परवरिश को लेकर भी अपमानित किया जाता था। इसकी वजह से वह डिप्रेशन में थी। उन्होंने बताया कि शादी के बाद भोपाल में रहना था, इस कारण ट्विशा ने नौकरी छोड़ी थी। यहां आने के बाद वह अन्य जॉब नहीं करना चाहती थी। इसी बात पर पति विवाद करता था। मामले में एक और पहलू सामने आया है। भाई के मुताबिक, मार्च में ट्विशा की अनएलांड प्रेग्नेंसी हुई थी। परिवार का दावा है कि ट्विशा उस समय बच्चे के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन ससुराल पक्ष उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव बना रहा था। परिजन ने आरोप लगाया कि पति इस बात को लेकर भी उसे ताने देता था। कथित तौर पर

नीट परीक्षा रद्द होने के खिलाफ एनएसयूआई ने पुतला दहन कर जताया विरोध

भोपाल। भोपाल में मध्य प्रदेश एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्राओं ने नीट परीक्षा रद्द होने के खिलाफ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और एनटीए (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप जोशी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है, कि देशभर में लगभग 30 लाख छात्र-छात्राएं प्रतिवर्ष नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन परीक्षा रद्द हो जाने के कारण लाखों छात्रों का भविष्य अधर में अटक जाता है, जो छात्रों के हितों के खिलाफ है। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेडिकल फील्ड की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा नीट का पेपर लीक हो गया है। जिसके कारण 30 लाख से ज्यादा छात्राएं प्रभावित हुए हैं, हर वर्ष पेपर लीक हो जाने के कारण छात्राएं भारी असुविधा का सामना कर रहे हैं। हमने इसके खिलाफ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप जोशी का पुतला दहन किया है। उन्होनें आगे कहा की हमारी मांग है कि नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता में एक न्यायिक कमेटी बनाई जाए और मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए जिससे प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में नीट की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके। एनएसयूआई के भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाते हुए कहा की नीट की परीक्षा में हर वर्ग का छात्र प्रतिभागी के रूप में शामिल होता है लेकिन अमीर लोगों के बच्चों को अच्छे नंबर से पास करवाने के उद्देश्य से शिक्षा माफिया द्वारा प्रतिवर्ष नीट का पेपर लीक करवा दिया जाता है, और बाद में परीक्षा ही रद्द हो जाती है। प्रदर्शन के दौरान जिला उपाध्यक्ष लकी चौबे, अमित हटिया, अनिमेष गोंडली सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई के कार्यकर्ता नेता कोचिंग सेंटर में नीट की तैयारी करने वाले प्रतिभागी एवं रहे।एनएसयूआई के भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाते हुए कहा की नीट की परीक्षा में हर वर्ग का छात्र प्रतिभागी के रूप में शामिल होता है लेकिन अमीर लोगों के बच्चों को अच्छे नंबर से पास करवाने के उद्देश्य से शिक्षा माफिया द्वारा प्रतिवर्ष नीट का पेपर लीक करवा दिया जाता है, और बाद में परीक्षा ही रद्द हो जाती है। प्रदर्शन के दौरान जिला उपाध्यक्ष लकी चौबे, अमित हटिया, अनिमेष गोंडली सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई के कार्यकर्ता नेता कोचिंग सेंटर में नीट की तैयारी करने वाले प्रतिभागी एवं

|| संपादकीय ||

प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर राजनीति कितनी जायज

भारतीय परंपरा में आभूषणों को सिर्फ पहनने या सौंदर्य बढ़ाने के लिए ही इस्तेमाल नहीं किया जाता रहा है। भारतीय परिवारों के लिए सोना-चांदी आदि के गहने बुरे वक्त के लिए एक तरह से संचित निधि की भूमिका निभाते रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय परिवार शादी-विवाह के मौके पर सोने-चांदी के गहने खरीदने में दिलचस्पी दिखाते रहे हैं। भारतीय गृहिणियों की कमजोरी और सौंदर्य का जरिया रहा यह सोना भी विवादों में आ गया है। इसकी वजह है, प्रधानमंत्री मोदी की अपील, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक के लिए सोने की गैरजरूरी खरीद को टालने की अपील की है। प्रधानमंत्री की इस अपील के अपने मायने हैं और जरूरत भी। अव्वल तो इस पर विपक्षी दलों का सहयोग मिलना चाहिए था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मसले पर सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि सरकार चलाने में नाकामी के चलते प्रधानमंत्री लोगों से यह खरीदो और यह ना खरीदो की अपील कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के बयान के पीछे 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद उपजे हालात हैं। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर संकट उठ खड़ा हुआ है। चूंकि होर्मुज जलडमरू मध्य पर ईरान का कब्जा है और अमेरिकी हमले के विरोध में उसने इसके जरिए सहज तरीके से आवाजाही पर रोक लगा रखी है, इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति का संकट खड़ा हो गया है। इसकी वजह से जहां पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति महंगी हुई है, वहीं सोने की वैश्विक स्तर पर कीमतें लगातार बढ़ने से उसका भी आयात महंगा हुआ है। देश ही नहीं, आज पूरी दुनिया के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा जरिया पेट्रोलियम पदार्थ ही हैं। इसके अलावा रासायनिक खादों बनाने के लिए भी पेट्रोलियम पदर्थों को ही कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वैश्विक सप्लाई कमजोर होने के चलते इन सबके आयात पर होने वाले भारी खर्च के चलते भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इन दिनों लगातार कम होता जा रहा है। प्रधानमंत्री की अपील इसी भंडार को बचाने के लिए भारत में सबसे ज्यादा आयात खर्च पेट्रोलियम पदार्थ, खाद्य तेल, सोना और रासायनिक उर्वरकों का है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश ने वित्त वर्ष 2025-26 में इन्हीं चार वस्तुओं के आयात पर करीब 240 अरब डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 20 लाख करोड़ से अधिक का खर्च किया है। जो देश के कुल आयात बिल का करीब एक तिहाई है। इसका असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहा है। जो लगातार कम होता जा रहा है। एक मई को खत्म हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.7 अरब डॉलर से घटकर महज 690 अरब अमरीकी डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, देश के स्वर्ण भंडार में भी कमी आई, जो पांच अरब डॉलर घटकर 115 अरब डॉलर हो गया। भारत की निधियों के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी इस सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 551 अरब डॉलर ही रह गई। इसी तरह देश का विशेष यानी ट्राजेक्शन अधिकार भी करीब 1.5 अरब डॉलर बढ़कर 18.78 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत जो आरक्षित आर्थिक भंडार है, उसमें भी गिरावट देखी गई, जो अस्सी लाख डॉलर बढ़कर 4.86 अरब डॉलर हो गई। वैसे तो वैश्विक संकट के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रही हैं। भारत भी उसी में समाहित है। इसी से बचने के लिए प्रधानमंत्री ने एक तरह से मितव्ययिता और खर्च घटाने की अपील की है।

रिजर्व बैंक और कारोबारी आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने कुल 775 अरब डॉलर का आयात किया। इस आयात में सिर्फ चार प्रमुख वस्तुओं की हिस्सेदारी 240.7 अरब डॉलर रही। इसमें सबसे ज्यादा खर्च कच्चे तेल पर रहा। आंकड़ों के अनुसार, देश ने अकेले क्रूड ऑयल आयात पर ही करीब 134.7 अरब डॉलर खर्च किए हैं। चूंकि पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से तेल की कीमतों में भारी उछाल दिख रहा है,। इसलिए भारत पर यह खर्च बढ़ गया है। अप्रैल में भारत ने औसतन 114.48 डॉलर प्रति बैरल की दर से कच्चे तेल का आयात किया। इन कीमतों की तुलना पिछले साल की कीमतों से करें तो इसमें भारी उछाल दिखता है। पिछले वित्त वर्ष में देश ने औसतन 70.99 डॉलर प्रति बैरल की दर से आयात किया। भारत अपने खर्च के पेट्रोलियम पदार्थों का 88 फीसद हिस्सा आयात करता है। जाहिर है कि इस मद में भारत को हर साल अतिरिक्त आर्थिक दबाव झेलना पड़ता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और कार पूलिंग जैसी योजनाओं को अपनाने की लोगों से अपील की है।

भारतीय घरों, विशेषकर गृहिणियों के लिए सोना सबसे बड़ा आकर्षण रहा है। हाल के वर्षों में चूंकि बैंकों में जमा धन पर खास कमाई नहीं हो रही है, उसकी तुलना में सोने में रिटर्न बढ़ रहा है। इस वजह से सोने की मांग में बढ़ोतरी हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष में भारत ने दूसरे नंबर पर विदेशी मुद्रा सोने के आयात में ही खर्च की है। मौजूदा वर्ष में सोने का आयात रिकॉर्ड 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह बढ़ोतरी पिछले साल की तुलना में करीब 24 प्रतिशत ज्यादा है। जाहिर है कि इस पर भी भारत को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रहा है। चूंकि भारत स्विटजरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, पेरू, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात से सोना आयात करता है। इसलिए यहां विदेशी मुद्रा भारी मात्रा में खर्च करनी पड़ती है। वैसे पिछले साल की तुलना में इस साल करीब 4.7 प्रतिशत कम सोना आयात हुआ है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर बढ़ती इसकी कीमतें हैं। फिर भी सोने के प्रति भारतीयों का मोह कम नहीं हुआ है। इसीलिए प्रधानमंत्री को सोने के गैर जरूरी खरीद को टालने के लिए अपील करनी पड़ी है।

भारत में जितना खाद्य तेल का इस्तेमाल होता है, उसका करीब 57 से 60 प्रतिशत तक का हिस्सा आयात करना पड़ता है। इस मद में भी भारत को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करना पड़ रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष में ही अब तक विदेशों से वनस्पति तेलों के आयात पर करीब 19.5 अरब डॉलर खर्च करना पड़ा है। चूंकि लोगों के खानपान पर रोक नहीं लगाई जा सकती, फिर खान-पान में कटौती का कसर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षमता में गिरावट के रूप में नजर आ सकता है। जिसका असर उत्पादन पर भी पड़ेगा। इसलिए इस मद में हो रहे खर्च को रोकना आसान नहीं है। इसलिए प्रधानमंत्री ने खाद्य तेलों के खर्च में कटौती की बात सीधे तौर पर तो नहीं की है, लेकिन यह जरूर कहा है कि लोग खाद्य तेलों का सीमित उपयोग करें। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों के आयात 77 प्रतिशत बढ़कर 14.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसलिए मोदी ने लोगों किसानों से रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल 50 प्रतिशत तक कम करने की अपील की है। उन्होंने किसानों को डीजल पंप की जगह सोलर पंप अपनाने की सलाह भी दी, ताकि पेट्रोलियम ईंधन पर निर्भरता घटाई जा सके।

कारोबारी आंकड़ों के अनुसार सिर्फ इन्हीं चार चीजों का कुल आयात बिल पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस बार बढ़कर 112 अरब डॉलर से 240.7 अरब डॉलर हो गया है। इससे देश के सामने संकट होना स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री की अपील इसी संकट से बचाव का रास्ता है। याद कीजिए, पिछली सदी के साठ के दशक को, जब भारत में अपनी पूरी जनसंख्या को खिलाने भर के लिए अनाज का उत्पादन तक नहीं हो पाता था। तब अमेरिका से गेहूं का आयात करना पड़ता था। अमेरिका इसके एवज में भारत को आंख दिखाता था। इससे बचाव के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देश से एक शाम उपवास की अपील की थी। वे खुद भी सोमवार की शाम को उपवास रखते थे। इसके बाद ही उन्होंने कृषि क्रांति का सपना देखा। तब प्रधानमंत्री का लोगों ने साथ दिया था, विपक्षी दल चाहे तब जिस भी स्थिति में रहे हों, उन्होंने भी प्रधानमंत्री पर सवाल नहीं उठाए थे।

बंगाल में "शुभ राज" के साथ सनातन का सूर्योदय

> स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया। स्थितियां इतनी विकट हो गयी थीं कि बंगाल की धरती पर जय श्रीराम बोलने पर नफरत का कहर टूट पड़ता था।

पश्चिम बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार प्रथम सरकार शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में कार्यभार ग्रहण करके काम पर लग गयी है। बंगाल में बीजेपी की विजय बहुत बड़ी व ऐतिहासिक है। बंगाल ही नहीं भारत के अन्य भागों में भी इस विजय का आनंद दिखाई वातावरण दे रहा है। इस विजय के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्नाटक, तेलंगना और गुजरात के दौरे में जो भीड़ उमड़ रही है उससे स्पष्ट रूप से जनसामान्य और भाजपा कायकर्ताओं के उत्साह का अनुमान लगाया जा सकता है। बंगाल विधानसभा चुनावों मे हिंदू समाज ने पहली बार बांग्लादेशी घुसपैठ और मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के विरुद्ध एकजुट होकर मतदान किया और जिसका परिणाम आज पूरा भारत देख रहा है।

बंगाल की जिस धरती पर 75 वर्ष पूर्व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की वैचारिक नींव रखी थी उसी बंगाल में पहली बार भाजपा 27 सीटों के साथ सत्ता के शिखर पर पंहुची और भगवा वस्त्रों में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बंगाल की कैबिनेट में अभी पांच मंत्रियों को ही शपथ दिलाई गई है, जिसमें बंगाल में भाजपा का संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाने वाले दिलीप घोष, फैशन डिजाइनर से बंगाल भाजपा की सबसे मुखर नेत्री बनी अग्निमित्रा पॉल जिन्होंने तृणमूल के खिलाफ आक्रामक मोर्चा संभाला, बांग्लादेश के हिंदू शरणार्थी मतुआ समुदाय के प्रमुख चेहरे अशोक कीर्तनिया जो उत्तर 24 परगना जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाको में भाजपा के जमीनी संगठनकर्ता के रूप मे अत्यंत सक्रिय रहे हैं, छात्र राजनीति से उभरे नेता निशीथ प्रामाणिक जो 2019 में भाजपा से जुड़े और जंगल महल के आदिवासी समुदाय के बड़े नेता खुदीराम टुडू शामिल हैं। अभी इस मंत्रिमंडल है का विस्तार होना बाकी है। बंगाल में शपथ ग्रहण समारोह के मंच पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के अनुरूप लघु भारत के भव्य दर्शन हो रहे थे तथा भविष्य की राजनीति के संकेत भी मिल रहे थे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से आज तक बंगाल में कांग्रेस, वामपंथ और तृणमूल की सरकारें रहीं जो तुष्टिकरण में आकंठ डूबी रहीं और हिंदुओ को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया। स्थितियां इतनी विकट हो गयी थीं कि बंगाल की धरती पर जय श्रीराम बोलने पर नफरत का कहर टूट पड़ता था। आज उसी बंगाल में जब जयश्रीराम के नारे गूंज रहे हैं तो बंगाल का हर सनातनी खुशी से सराबोर हो रहा है। बंगाल में भाजपा सरकार आने से पश्चिम बंगाल के हिन्दुओं को तुष्टिकरण की दमनकारी नीतियों और भय के माहौल से आजादी मिली है। यह विजय केवल सत्ता का परिवर्तन नही अपितु बंगाल के पुनरुत्थान का शंखनाद है। अब बंगाल सही मायने में सोनार बांग्ला बनने की ओर अग्रसर होगा। भाजपा नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व आर्थिक उत्थान के नए दौर मे प्रवेश करेगा।

हार की कुंठा से ग्रसित तृणमूल व विरोधी दलों के नेता अभी भी एसआईआर, चुनाव आयोग और केंद्रीय सुरक्षाबलों वाले आरोप दोहरा रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपा ने यह चुनाव लम्बे संघर्ष और अपने कार्यकर्ताओं के बलिदान के बाद जीता है। तृणमूल के राज में वर्ष 2011 से 2025 के बीच भाजपा के 321 कार्यकर्ता मारे गए, उनके विरुद्ध हुई हिंसा में हजारों घर उजाड़ दी गए, भाजपा व संघ के किसी कार्यकर्ता को बम से उड़ाया गया किसी को पेड़ से लटकाया गया। 2021 में तो भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति तृणमूल के लोगों ने क्रूरता की सभी सीमाएं लांघ दी थीं। नंदीग्राम से लेकर वीरभूम तक, कूच बिहार हो या वशीर हाट चुनाव के बाद बदले के नाम पर पूरे-पूरे गांव खाली करवा दिए गए थे। 2021 की चुनावी हिंसा में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए किंतु ममता सरकार उन सभी में अड़ंगा डालती रही। आज संदेशखाली से आर जी कर कांड तक सभी पीड़ित परिवारों के मन में एक नया सबेरा आया है कि अब न्याय होकर रहेगा। बंगाल के हिंदू जनमानस को नयी सरकार पर भरोसा है इसलिए नई सरकार को भी अत्यंत तत्परता और सतर्कता के साथ संकल्प पत्र को पूरा करना होगा। नई सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की पहली बैठक में जो निर्णय लिए हैं उनसे उसकी गंभीरता तथा बंगाल की जनता के प्रति प्रतिबद्धता का पता चलता है।

नई सरकार के पहले फैसले- शुभेंदु मंत्रिपरिषद ने अपनी पहली बैठक में ही कई बड़े निर्णय लिए हैं। जिनमें आयुष्मान भारत योजना को बंगाल में लागू करना, भारतीय न्याय सहिंता के तीन कानूनों को लागू करना, बीएसएफ को सीमावर्ती क्षेत्रों में 45 दिनों के अन्दर जमीन स्थानांतरित करना शामिल है। ममता बनर्जी की सरकार इन सभी कार्यों में लगातार अड़ंगा ही डालती रही थी।

• मृत्युंजय दीक्षित

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'पेपर लीक' का माफिया कौन?

एक बार फिर 'पेपरलीक' और करीब 23 लाख युवा बच्चों का भविष्य अधर में, अंधकारपूर्ण और अनिश्चित! 'नीट' का पेपर लीक हुआ है। अभ्यर्थी युवाओं में कई होनहार, विशेषज्ञ डॉक्टर बन सकते थे! जिंदगियां बचा सकते थे! घर-परिवार की आर्थिक स्थितियां बेहतर कर सकते थे! मां-बाप के कर्ज चुकता कर सकते थे! लेकिन एक माफिया, संगठित गिरोह, पैसे के हवसी, संवेदनहीन साजिशकार इस देश में सक्रिय हैं, जो युवा पीढ़ी को बार-बार निराश, हताश कर रहे हैं। उनकी उम्मीदें छीन रहे हैं। विडंबना यह है कि बीते सालों में 70 बार या अधिक पेपरलीक कराए गए हैं, कुछ 'काली भेड़ें' जेल में हो सकती हैं, लेकिन सरगना बेखौफ, बेलगाम षड्यंत्र रच रहे हैं। आज तक न तो सीबीआई और न ही सरकारों की अन्य एजेंसियां इस नापाक नेटवर्क के 'माफिया' को तय नहीं कर पाई हैं। बेशक सीबीआई देश की प्रमुख जांच एजेंसी है। कानून में सजा कितनी है-3, 4, 5 अथवा 10 साल तक। किसको सजा दी गई? किस पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोंका गया? किस पर स्थायी पाबंदी लगाई गई? इन सवालों के जवाब तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री को देने चाहिए। हकीकत यह है कि यह शर्मनाक, देशद्रोही धंधा आज हजारों करोड़ रुपए का बताया जा रहा है। क्या इन साजिशकारों के घरों में युवा बच्चे नहीं हैं? वे भी डॉक्टर, इंजीनियर बनना चाहते होंगे! शायद उनके साथ ऐसे हादसे नहीं हुए या उनके बच्चे भी पेपरलीक के जरिए पास हो गए होंगे! पेपरलीक का धंधा तो शाश्वत लगता है हमें! भारत जैसे विराट, सम्मानित और विश्व-गुरु की खुशफहमी पाले देश के लिए ये करतूतें, हरकतें, युवा पीढ़ी के सपनों को चकनाचूर करने वाली 'माफियागीरी' शर्मनाक ही नहीं, बल्कि इसका दमन भी आतंकवाद, नक्सलवाद की तरह किया जाना चाहिए। दरअसल मौजूदा शिक्षा मंत्री नालायक हैं, शिक्षा मंत्रालय नकारा, भ्रष्ट है और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बार-बार साबित हो रही है कि वह पारदर्शी, ईमानदार, लीक-मुक्त परीक्षाएं कराने के लायक ही नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी बेहद जागरूक और पारदर्शी नेता हैं, ऐसे निकम्मेपन के खिलाफ माने जाते रहे हैं, लिहाजा मौजूदा व्यवस्था को पूरी तरह बदलें। अंततः युवा पीढ़ी और जनता को सडक़ों पर बिछ कर जन-आंदोलन खड़ा करना पड़ेगा।

यह सिर्फ 23 लाख बच्चों के भविष्य का ही नहीं, बल्कि 23 लाख परिवारों के भविष्य पर आघात किया गया है। अधिकांश बच्चे गरीब या निम्न मध्यवर्गीय होते हैं। जिन बच्चों के लिए 10-28 लाख रुपए में लीक वाले प्रश्नपत्र खरीदे जाते हैं, उस जमात को छोड़ दीजिए। दरअसल वे ही पेपरलीक के धंधे के थोक-ग्राहक हैं, लिहाजा इस शर्मनाक धंधे के सह-भागीदार हैं। हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान पेपर और भ्रष्टाचार के मामले देखे हैं, कवर किए हैं। नकदी के बंडलों के लेन-देन देखे हैं। उनमें कुलपति, रजिस्ट्रार से लेकर प्रिंटिंग प्रेस तक की 'मिलीभगत' भी देखी है, लिहाजा पेपरलीक के दौर में प्रिंटिंग प्रेस और उसके दल्लों की धंधेबाजी और नतीजतन पेपरलीक कमोबेश हमें नहीं चौंकाता। अब इस नेटवर्क को तोडऩे और मसलने का वक्त आ गया है। अब प्रधानमंत्री मोदी और उनकी कैबिनेट के खास, समझदार मंत्रियों को विमर्श कर यह तय करना पड़ेगा कि परीक्षा का तरीका क्या होना चाहिए? ऑफलाइन परीक्षा क्यों जरूरी है? डिजिटल के दौर में कई परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं। अब 'नीट' का पेपरलीक हुआ है, तो 400-500 करोड़ रुपए पर पानी फिर गया। यह करदाता का पैसा था। बताया जा रहा है कि एक गैस पेपर बीते 15-30 दिनों से घूम रहा था। वह 150 पन्नों का था, जिसमें 410 प्रश्न संकलित किए गए थे।

जनरल नॉलेज

पीएम के काफिले में कौन-कौन सी गाड़ियां चलती हैं? जानिए किसका क्या होता है रोल

पश्चिम एशिया के गहराते संकट और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी मिसाल पेश की है. देशवासियों से तेल बचाने की अपील करने के बाद उन्होंने खुद के सुरक्षा काफिले में गाड़ियों की संख्या को आधा करने का निर्देश दिया है. यह कदम न केवल फिजूलखर्ची रोकने वाला है, बल्कि वीवीआईपी कल्चर पर एक कड़ा प्रहार भी है. अब प्रधानमंत्री के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपने कारकेड को छोटा करने की तैयारी में हैं. लेकिन इसी क्रम में पहले यह जान लेते हैं कि उनके काफिले में कौन-कौन सी गाड़ियां चलती हैं और हर गाड़ी का क्या रोल है.

काफिले में कटौती की पहल - प्रधानमंत्री मोदी ने तेल की बचत और संसाधनों के सही इस्तेमाल का संदेश देने के लिए अपने सुरक्षा घेरे में बदलाव की शुरुआत की है. उनके इस फैसले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई बड़े नेताओं ने भी अपने काफिले को आधा करने की बात कही है. यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट मंडरा रहा है. प्रधानमंत्री का यह निर्देश स्पष्ट करता है कि सुरक्षा और मितव्ययिता के बीच संतुलन बनाना संभव है.

ब्लू बुक के सुरक्षा नियम - प्रधानमंत्री की सुरक्षा का पूरा खाका गृह मंत्रालय की ब्लू बुक में दर्ज होता है. यह एक अत्यंत गोपनीय दस्तावेज है, जिसमें वीवीआईपी की सुरक्षा के हर पहलू का विवरण होता है. एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) इसी ब्लू बुक के नियमों के अनुसार प्रधानमंत्री का कारकेड तैयार करती है. इसमें गाड़ियों की संख्या खतरे के स्तर, लोकेशन और कार्यक्रम के स्थल के आधार पर तय की जाती है. प्रधानमंत्री कहीं भी जाएं, उनकी सुरक्षा में तैनात हर अधिकारी और गाड़ी की भूमिका पहले से ही सुनिश्चित होती है.

वर्तमान में काफिले में कितनी गाड़ियां? - सामान्य परिस्थितियों में प्रधानमंत्री के काफिले में कम से कम 18 मुख्य गाड़ियां होती हैं. इसके अलावा यातायात प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए 6 से 8 अतिरिक्त गाड़ियां साथ चलती हैं. कुल मिलाकर लगभग 24 गाड़ियों का यह लश्कर प्रधानमंत्री की सुरक्षा को अभेद्य बनाता है. इस काफिले में पायलट कार, एस्कॉर्ट वाहन, जैमर गाड़ी और एंबुलेंस जैसे महत्वपूर्ण अंग शामिल होते हैं. अब इसी संख्या को घटाकर सीमित करने की योजना पर काम किया जा रहा है.

अभेद गाड़ियों का किला है पीएम का काफिला - प्रधानमंत्री मोदी के काफिले की सबसे महत्वपूर्ण गाड़ी मर्सिडीज-मेबैक एस 650 गार्ड है. इसे दुनिया की सबसे सुरक्षित कारों में गिना जाता है और इसे वीआर-10 रेटिंग प्राप्त है. यह कार किसी चलते-फिरते बंकर से कम नहीं है, जिस पर एके-47 की गोलियों और हैंड ग्रेनेड का कोई असर नहीं होता. यदि गाड़ी से महज दो मीटर की दूरी पर 15 किलो टीएनटी का ब्लास्ट भी हो जाए,

टेक्नोलॉजी

AI से पूछो सेहत के राज, लोन की बात या करियर की टेंशन! किसी को नहीं बताएगा WhatsApp का नया फीचर

आपने AI से कभी कोई ऐसी बात पूछी है जो आप किसी इंसान को नहीं बता सकते? शायद कोई बीमारी के बारे में, कर्ज की परेशानी के बारे में या ऑफिस में चल रही किसी मुश्किल के बारे में. अब तक डर यही रहता था कि यह सब कंपनी के पास जा रहा है, लेकिन WhatsApp एक नया फीचर लाया है, जो इस डर को खत्म करने का दावा कर रहा है.

Meta ने बुधवार (13 मई) को WhatsApp और Meta AI ऐप पर Incognito Chat फीचर लॉन्च किया. इसमें आप Meta AI से जो भी बात करेंगे, वह न Meta देख पाएगा, न कोई और. चैट खत्म होते ही सब कुछ गायब हो जाएगा.

कैसे काम करता है यह फीचर? - यह फीचर WhatsApp की Private Processing टेक्नोलॉजी पर बना है. जब आप Incognito Chat शुरू करते हैं तो आपकी बातचीत एक ऐसे सुरक्षित माहौल में प्रोसेस होती है, जिसे Meta खुद भी नहीं देख सकता. ऐप बंद करते ही या फोन लॉक होते ही सेशन खत्म हो जाता है और मैसेज अपने आप डिलीट हो जाते हैं. कुछ भी सेव नहीं होता.

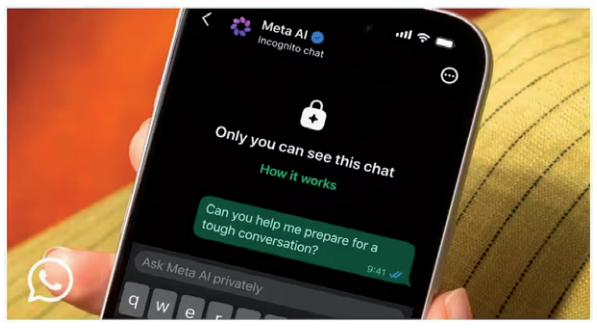

क्यों बनाया गया है फीचर? - WhatsApp के प्रमुख Will Cathcart का कहना है कि लोग अब AI से जिंदगी के बड़े और निजी सवाल पूछने लगे हैं. हर बार यह जरूरी नहीं कि उन सवालों के पीछे की जानकारी कंपनियों तक भी पहुंचे. यही सोचकर यह फीचर बनाया गया है.

इस फॉर्मेट में ही करेगा काम - फिलहाल Incognito Chat सिर्फ टेक्स्ट में काम करेगा. आप कोई फोटो या डॉक्युमेंट शेयर नहीं कर पाएंगे. इसमें सेफ्टी फिल्टर भी लगे हैं, जो गलत या खतरनाक सवालों के जवाब देने से मना कर देंगे. Meta ने यह भी साफ किया है कि सामान्य Meta AI बातचीत को कंपनी अपने मॉडल को बेहतर बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन Incognito Chat इससे अलग है और इसे ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा.

यह फीचर भी लाने की तैयारी में Meta - Meta अगले कुछ महीनों में Side Chat फीचर भी लाने वाला है. इसमें आप WhatsApp पर चल रही किसी भी बातचीत के बीच में Meta AI से चुपचाप मदद ले सकेंगे और बाकी लोगों को पता भी नहीं चलेगा. यह फीचर अभी धीरे-धीरे रोलआउट हो रहा है और आने वाले महीनों में WhatsApp और Meta AI ऐप पर सभी यूजर्स को मिलेगा.

भारत में बैलेस्टिक मिसाइलों का ताबड़तोड़ प्रोडक्शन, कुछ बड़ा होगा

एजेंसी नई दिल्ली

भारत ने अपनी मिसाइल ताकत को लगातार मजबूत किया है। फिर चाहे ड्रोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइलें हो या फिर अग्नि सीरीज की बैलेस्टिक मिसाइलें। भारत आज दुनिया की बड़ी सैन्य ताकतों में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा चुका है और सबसे बड़ी बात इन अत्याधुनिक मिसाइलों के पीछे डीआरडीओ की बड़ी भूमिका रही है। रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है क्योंकि भारत सरकार प्राइवेट कंपनियों को भी इस सेक्टर में एंट्री देने की तैयारी में है। दरअसल दिल्ली में आयोजित कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के वार्षिक बिजनेस समिट 2026 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने खुद इस बात की जानकारी दी। उन्होंने खुद यह बात कही कि निजी क्षेत्र के साथ और ज्यादा काम करने के अन्य पहलुओं पर चर्चा चल रही है। उनका मानना है कि मिसाइल उत्पादन वो क्षेत्र है जहां अब तक एरोस्पेस के हिस्से के रूप में अधिकांश ऑर्डर लगभग पूरी तरह एक ही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को दिए जाते रहे। यह बात हम सब जानते हैं कि मिसाइल टेक्नोलॉजी में अगर भारत में किसी का दबदबा है तो वह डीआरडीओ है। डीआरडीओ ने आज कई घातक मिसाइलें बनाई हैं।

रक्षा सचिव ने जैसा कि जानकारी दी कि भारत सरकार निजी क्षेत्र की ओर भी देख रही है। यानी कि आगे चलकर जो मिसाइल टेक्नोलॉजी है उसमें प्राइवेट कंपनीज़ का भी बड़ा रोल हो सकता है। रक्षा सचिव ने कहा कि सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि बदलते युद्ध के स्वरूप को देखते हुए फिलहाल निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। देखिए रक्षा सचिव ने क्या कुछ कहा। बट इन टर्म्स ऑफ दी अदर एलिमेंट्स ऑफ यू नो थिंग्स दैट वी कैन डू मोर विथ द प्राइवेट सेक्टर। युद्ध का तरीका बदल चुका है। आज मिसाइलें और ड्रोन फ्रंट लाइन में हैं। कहीं भी कोई देश लड़ रहा है तो सबसे ज्यादा हथियार जो इस्तेमाल में आ रहे हैं वो ड्रोंस हैं। मिसाइलें हैं। आज जिस देश के पास घातक मिसाइलें हैं वो अपनी सीमा की सुरक्षा कर सकता है। ऐसे में भारत बड़े स्तर पर मिसाइल प्रोडक्शन करना चाहता है। और रूस यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव तक दुनिया ने देखा कि आज मिसाइलें सिर्फ़ शक्ति प्रदर्शन का साधन नहीं बल्कि युद्ध जीतने का निर्णायक हथियार बन चुकी हैं। ऐसे में भारत को भी अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता को बड़े स्तर पर बढ़ाने की जरूरत है। रक्षा सचिव ने कहा कि अब तक मिसाइल निर्माण के अधिकांश ऑर्डर सरकारी कंपनियों को दिए जाते रहे हैं। लेकिन सरकार अब इस क्षेत्र में निजी कंपनियों को भी अवसर देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार की बैलेस्टिक मिसाइलों की टेक्नोलॉजी प्राइवेट सेक्टर को ट्रांसफर करने की इच्छा बढ़ रही है और उनके अनुसार अब वो समय आ चुका है जब इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। देखिए सरकार का यह कदम इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि अभी भारत में कुछ ही कंपनियां हैं जो घातक मिसाइलें बना रही हैं। ज्यादातर ऑर्डर डीआरडीओ के पास हैं। तो ऐसे में डीआरडीओ के ऊपर भी एक बड़ा बोझ है। डीआरडीओ कई तरह की मिसाइलों पर काम कर रहा है। तो अगर ऐसे में प्राइवेट कंपनियों का साथ मिलता है या फिर प्राइवेट कंपनियां इस क्षेत्र में घुसती हैं तो एक तरह से एक बोझ भी कम होगा और बड़े स्तर पर बड़े स्केल पर मिसाइल का प्रोडक्शन होगा।

अफगानिस्तान हिंदुत्व की लड़ाई लड़ रहा, तालिबान पर भड़का पाकिस्तान, बोला- भारत जैसा हाल करेंगे

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को युद्ध की चेतावनी दी है। उन्होंने अफगान तालिबान को भारत का प्रॉक्सी बताया और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को पनाह देने का आरोप लगाया। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर तालिबान नहीं मानता है तो पाकिस्तान उसी तरह जवाब देगा जैसा उसने पिछले साल भारत के खिलाफ दिया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसने पिछले साल मई में हुए संघर्ष के दौरान भारत को जबरदस्त शिकस्त दी थी, हालांकि वह अपने दावे के समर्थन में आज तक एक भी सबूत पेश नहीं किया है। वहीं, भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया है कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कैसे पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेसों को बर्बाद किया था। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहाः "अगर वे तैयार नहीं हैं, तो हमने दिल्ली के साथ जो किया, वही हम काबुल के साथ भी करेंगे।" उन्होंने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान असल में भारतीय नीति का एक जरिया बन गया है। आसिफ ने कहा, "इस समय, अफगानिस्तान भारत का प्रॉक्सी बन गया है।" उन्होंने आगे जोड़ाः "काबुल हमारे खिलाफ हिंदुत्व की लड़ाई लड़ रहा है।" पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि "इस समय दिल्ली और काबुल में कोई फर्क नहीं है।"

पिछले साल मरका-ए-हक में भारत की हार के बाद अल्लाह का शुक्र है वे अब हमारे साथ सीधे टकराव में उतरने की हिम्मत भी नहीं करेंगे। इसलिए, अब पूरी लड़ाई काबुल के जरिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ी जा रही है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने तुर्की, सऊदी अरब और कतर जैसे कूटनीतिक चैनलों के जरिए अफगानिस्तान से बातचीत करने की बार-बार कोशिश की, लेकिन उन कोशिशों का कोई नतीजा नहीं निकला। उन्होंने कहा, "कतर में बातचीत के दौरान, अफगानिस्तान हर बात पर सहमत हो गया था, लेकिन बाद में उसने गारंटी देने से मना कर दिया।" उन्होंने कहाकि काबुल जुबानी तौर पर सहमत होने को तैयार था, लेकिन लिखित में नहीं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की मुख्य मांग काबुल से एक लिखित वादा था, जिसमें यह पक्का किया जाए कि अफगान जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा और वहां काम कर रहे आतंकवादियों को बाहर निकाल दिया जाएगा। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि अगर काबुल आतंकवाद के खिलाफ लिखित भरोसा देता है, तो पाकिस्तान बातचीत के लिए अब भी तैयार है। खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में हाल ही में हुए एक हमले का जिक्र करते हुए आसिफ ने कहा कि कई लोग मारे गए हैं और पाकिस्तानी सेना लगातार कुर्बानियां दे रही है। उन्होंने कहा, "इस हालात की वजह से हमें युद्ध में धकेला जा रहा है," उन्होंने कहा कि अब नई दिल्ली अफगानिस्तान के जरिए काम कर रही है।

ईरान का दूसरे देशों के साथ संबंध भारत के खिलाफ नहीं: पाकिस्तान से दोस्ती पर तेहरान की सफाई

एजेंसी तेहरान

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ ईरान के संबंध कभी भी भारत के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत द्विपक्षीय संबंधों का मकसद किसी तीसरे देश को निशाना बनाना नहीं होना चाहिए। ईरान का यह बयान तब आया है, जब ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ब्रिक्स (BRICS)देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत का दौरा करने वाले हैं। भारत में ईरान के पाकिस्तान की बढ़ते संबंधों को लेकर शंका जताई जा रही है। पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में काम कर रहा है। उसने ईरान के सैन्य विमानों को अमेरिकी हमलों से बचाने के लिए अपने देश में शरण भी दी थी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि दूसरे देशों के साथ ईरान के संबंध कभी भी भारत के खिलाफ नहीं रहे हैं। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है कि कोई भी द्विपक्षीय संबंध किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं होना चाहिए। बाकाई ने यह भी कहा कि सैन्य क्षेत्र में ईरान के पास एक महत्वपूर्ण "सरप्राइज़ क्षमता" मौजूद है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों पर ईरान की प्रतिक्रिया पर भी बात की। ईरानी प्रवक्ता का यह बयान तब आया है, जब दोनों पक्षों के बीच 40 दिनों से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए संघर्ष-विराम पर सहमति बने हुए एक महीना बीत चुका था।

बाकाई ने अमेरिका के साथ ईरान के कूटनीतिक तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अमेरिका के पीछे हटने और IRGC कुद्स फोर्स के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या जैसी घटनाओं का उदाहरण दिया। उन्होंने युद्ध को खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान के हालिया जवाबी प्रस्ताव के बारे में भी बताया, जिसे अमेरिका ने अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा, "नाकेबंदी अपने आप में युद्ध की घोषणा मानी जाती है।" उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य संकट और ऊर्जा संकट के लिए अमेरिका और इजरायल को जिम्मेदार ठहराया।

पाकिस्तान और ईरान के संबंधों में हाल के दिनों में तेजी देखी गई है। इजरायल और अमेरिकी हमले के बाद दोनों देश एक दूसरे के काफी करीब आए हैं। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच खुद को मध्यस्थ के तौर पर स्थापित करने की कोशिश की है। हालांकि, वह मध्यस्थता की आड़ में अपने हितों को साधने की कोशिश कर रहा है। इससे भारत की चिंता बढ़ गई है। ऐसी आशंका है कि पाकिस्तान, ईरान के साथ संबंधों का इस्तेमाल भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए कर सकता है।

ट्रंप के बीजिंग पहुंचते ही अमेरिका पर क्यों भड़का चीन ? बोला- संप्रभुता से समझौता बर्दाश्त नहीं

एजेंसी बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीजिंग पहुंचते ही चीन ने वॉशिंगटन की जमकर आलोचना की है। चीन ने यह आलोचना ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को लेकर की है। उसने अमेरिका से अपने वादों का सम्मान करने को कहा है। चीन ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली दो दिवसीय बैठकों के दौरान ताइवान निश्चित रूप से चर्चा का विषय होगा। चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और बलपूर्वक उस पर अधिकार की धमकी भी देता है। इसके अलावा वह ताइवान के साथ किसी भी देश के संबंधों का कड़ा विरोध भी करता है। दिसंबर में, ट्रंप प्रशासन ने ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियारों के पैकेज की घोषणा की थी, जो अब तक का सबसे बड़ा पैकेज था। इस पर चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय की प्रवक्ता झांग हान ने कहा कि ताइवान एक आंतरिक मुद्दा है और यह चीनी लोगों का मामला है। उन्होंने बीजिंग में कहा, "हम अमेरिका द्वारा चीन के ताइवान क्षेत्र के साथ किसी भी प्रकार के सैन्य संबंध बनाने का कड़ा विरोध करते हैं, और अमेरिका द्वारा चीन के ताइवान क्षेत्र को हथियार बेचने का भी कड़ा विरोध करते हैं। यह स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है।"

झांग ने आगे कहा कि ताइवान "चीन के मूल हितों का केंद्र" है, और अमेरिका के पिछले प्रशासनों द्वारा किए गए वादों का सम्मान करना "अंतर्राष्ट्रीय दायित्व हैं जिन्हें पूरा करने के लिए अमेरिकी पक्ष कर्तव्यबद्ध है।" वाशिंगटन की "एक चीन" नीति के तहत अमेरिका आधिकारिक तौर पर ताइवान की संप्रभुता पर कोई रुख नहीं अपनाता है, लेकिन बीजिंग के इस रुख को स्वीकार किए बिना मानता है कि यह द्वीप चीन का है। ताइवान चीन का एक हिस्सा है, जो न कभी कोई देश रहा है और न कभी बनेगा। ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध करने का हमारा संकल्प चट्टान की तरह मज़बूत है और ताइवान की स्वतंत्रता को कुचलने की हमारी क्षमता अटूट है। ट्रंप चीन की यात्रा पर ऐसे समय में जा रहे हैं जब ताइवान की विपक्षी-नियंत्रित संसद ने राष्ट्रपति लाई चिंग-ते द्वारा मांगे गए 40 अरब डॉलर के विशेष रक्षा बजट के केवल दो-तिहाई हिस्से को ही मंजूरी दी है। इस बजट का उपयोग अमेरिकी हथियारों की खरीद के लिए किया जाएगा, लेकिन ड्रोन जैसे घरेलू कार्यक्रमों में कटौती की गई है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने रविवार को कहा कि अमेरिका इस बात से निराश है कि रक्षा खर्च को जितनी राशि की मंजूरी मिली है, वह वाशिंगटन के अनुसार आवश्यक राशि से कम है।

ताइवान पर ट्रंप से मोलभाव करेगा चीन ताइवान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया है कि ताइपे के लिए सबसे बड़ा जोखिम यह है कि बीजिंग इस कम किए गए बजट का इस्तेमाल ट्रंप के साथ मोलभाव करने के लिए एक हथियार के तौर पर कर सकता है। अधिकारी ने आगे कहा, "चीन यह तर्क दे सकता है कि ताइवान की विधायिका हथियारों की खरीद का विरोध करती है और अमेरिका को ताइवान के लोगों की इच्छा का सम्मान करना चाहिए - ताकि राष्ट्रपति ट्रंप को ताइवान के लिए रक्षा सहायता रोकने या कम करने के लिए मनाया जा सके।"

काबुल में नया मिशन! भारत-अफगानिस्तान के बीच 46 मिलियन डॉलर की क्या बड़ी डील हुई

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और अफगानिस्तान के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई मजबूती देते हुए 46 मिलियन डॉलर से अधिक की बड़ी डील हुई है। भारतीय कंपनी TCRC ने अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (ANSA) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के तहत काबुल और अफगानिस्तान के 9 प्रमुख सीमा चौकियों पर एडवांस्ड लैब बनाई जाएंगी। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य अफगानिस्तान में आयात-निर्यात से जुड़े उत्पादों की गुणवत्ता जांच और मानक प्रणाली को पहले से और मजबूत करना है। नई लैब्स के जरिए खाद्य पदार्थों, दवाओं, कृषि उत्पादों और औद्योगिक सामानों की टेस्टिंग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार की जा सकेगी। इससे सीमा पार व्यापार को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। काबुल समेत 9 बॉर्डर क्रॉसिंग पर होंगी हाईटेक लैब्स

समझौते के तहत काबुल के अलावा अफगानिस्तान की प्रमुख सीमा चौकियों पर आधुनिक उपकरणों से लैस लैब्स स्थापित की जाएंगी। इन प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण, प्रमाणन और सुरक्षा मानकों की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। माना जा रहा है कि इससे अफगानिस्तान की व्यापारिक क्षमता और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बड़ा फायदा मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह डील भारत और अफगानिस्तान के बीच तकनीकी और आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने वाली है। राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारत लगातार अफगानिस्तान में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण से जुड़े प्रोजेक्ट्स में सहयोग करता रहा है। यह नई साझेदारी दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, दोनों देशों के लिए यह फायदेमंद है।

पाकिस्तान की धोखेबाजी का पर्दाफाश, सालों से ईरानी मिलिट्री जेट्स को दे रहा था पनाह, अमेरिका हैरान

एजेंसी इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान में मध्यस्थ बने पाकिस्तान की पोल खुल गई है। वह अमेरिका और ईरान दोनों से फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। हाल में ही अमेरिकी मीडिया ने बताया है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों से बचाने के लिए ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर पनाह दी थी। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान लंबे समय से ईरानी सैन्य विमानों को शरण देता रहा है। उसने न सिर्फ मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध के दौरान, बल्कि किसी भी दूसरे संघर्ष में ईरानी लड़ाकू विमानों की मेजबानी की है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2025 के एक यूट्यूब वीडियो में दिखा है कि कराची एयरपोर्ट के रनवे पर ईरानी ट्रांसपोर्ट और हवाई रिफ्यूलिंग टैंकर खड़े हैं। यह घटना इजरायल के 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' खत्म होने के कुछ हफ्तों बाद की है। इस दौरान इजरायल ने ईरान की परमाणु फैसिलिटी पर जबरदस्त हवाई हमले किए थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह वीडियो CBS News की उस रिपोर्ट के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें बताया गया था कि पाकिस्तान इस समय ईरानी विमानों को पनाह दे रहा है। इससे पाकिस्तान की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने इन दावों को फर्जी बताया है। उसका कहना है कि ईरानी विमान अमेरिका के साथ वार्ता के पहले राउंड में शामिल होने के लिए उनके देश पहुंचा था।

CBS News की रिपोर्ट में बताया गया था कि 25 अप्रैल को पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर ईरानी वायुसेना के RC-130H Khofash विमान को देखा गया था। इसकी एक हाई-रिजॉल्यूशन सैटेलाइट तस्वीर भी सामने आई थी। RC-130H, ईरान द्वारा दशकों से इस्तेमाल किए जा रहे मशहूर C-130 'हरक्यूलिस' विमान का एक खास इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर वेरिएंट है। ईरान इसका इस्तेमाल जासूसी और टोही मिशन के लिए करता है।

Intel Lab के शोधकर्ता डेमियन साइमन ने बताया कि यह विमान 11 और 12 अप्रैल 2026 के बीच नूर खान एयरबेस पर पहुंचा था और कम से कम 12 मई 2026 तक, यानी अपने आगमन के लगभग एक महीने बाद तक, वहीं जमीन पर खड़ा रहा। इस पूरे समय के दौरान यह विमान उसी जगह पर खड़ा रहा। सीनेट हाउस एप्रोप्रिएशन्स कमेटी की सुनवाई को संबोधित करते हुए, अमेरिकी सीनेटर ग्राहम ने अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन से कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है।

लखनऊके खिलाफ जीत दर्ज करके प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखना चाहेगी चेन्नई

लखनऊ, एजेंसी | लचर प्रदर्शन के बावजूद प्लेआफ की दौड़ में कायम चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करके अपना दावा बनाये रखना चाहेगी जबकि दौड़ से बाहर हो चुकी लखनऊ के लिये यह महज प्रतिष्ठा का मुकाबला है ।

चेन्नई ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में समय पर जीत दर्ज करके अपनी उम्मीदें कायम रखी है जबकि लखनऊ की टीम का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा ।

चेन्नई को अपने बाकी सारे मैच जीतने के अलावा दूसरे मैचों के नतीजे भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी । चेन्नई फिलहाल 11 मैचों में से छह जीतकर पांचवें स्थान पर है ।

अच्छी 'फिनिशिंग' नहीं होने के कारण आलोचना झेलने वाली पांच बार की चैम्पियन चेन्नई टीम ने संजू सैमसन, उर्विल पटेल, कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और कुछ उदीयमान खिलाड़ियों के दम पर अच्छी वापसी की ।

शीर्षक्रम पर उर्विल के बेखौफ प्रदर्शन से पावरप्ले में चेन्नई का प्रदर्शन बेहतर हुआ है । शुक्रवार को शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस को भी बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा ।

जांघ की चोट के कारण हरफनमौला जैमी ओवर्टन के बाहर होने से चेन्नई की गेंदबाजी कमजोर हुई है । ओवर्टन ने दस मैचों में 14 विकेट लिये और वह इस सत्र में चेन्नई की गेंदबाजी की धुरी थे ।

अकील हुसैन, मुकेश चौधरी और अंशुल कम्बोज ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि अफगानिस्तान के बायें हाथ के स्पिनर नूर अहमद प्रभावी रहे हैं ।

दूसरी ओर लखनऊ को कप्तान ऋषभ पंत के लगातार खराब फॉर्म का खामियाजा भुगतना पड़ा । उसके गेंदबाज विरोधी टीमों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे और चेन्नई के खिलाफ पहले चरण के मैच में तो वे 203 रन बनाकर भी हार गए ।

जोश इंगलिस , निकोलस पूरन और मिचेल मार्श ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन एक ईकाई के रूप में टीम नाकाम रही है ।

टीमें : चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

लखनऊ सुपर जाइंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

तिलक वर्मा ने पंजाब के मुंह से छीनी जीत, बिगाड़ा प्लेऑफ का खेल; 200 बनाकर हारी पंजाब

नई दिल्ली, एजेंसी | धर्मशाला में तिलक वर्मा ने पंजाब किंग्स के मुंह से जीत छीनते हुए मुंबई इंडियंस को IPL 2026 के 58वें मैच में 6 विकेट से जीत दिलाई. इस जीत के साथ मुंबई ने पंजाब के प्लेऑफ का खेल बिगाड़ दिया. अब 12 मैचों में पंजाब के पास सिर्फ 13 प्वाइंट्स हैं. यहां से अब टीम को प्लेऑफ में जगह हासिल करने के लिए बाकी दोनों मैच हर हाल में जीतने होंगे. बताते चलें कि मुंबई पहले ही प्लेऑफ की रेस से एलिमिनेट हो चुकी है.

मुकाबले में मुंबई के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया. पहले बैटिंग के लिए उतरी पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 200 रन बनाए. चेज करते हुए मुंबई ने 19.5 ओवर में 205 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली. टीम को जीत दिलाने में तिलक वर्मा ने अहम योगदान देते हुए 33 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 75* रनों की सबसे बड़ी पारी खेली. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 227.27 का रहा.

मुंबई की अच्छी शुरुआत, बीच में लड़खड़ाई, अंत शानदार

चेज के लिए उतरी मुंबई की शुरुआत अच्छी रही. रोहित शर्मा और रयान रिकल्टन ने पहले विकेट के लिए 39 गेंदों में 61 रनों की साझेदारी की. यहां पहला विकेट गिरा, जिसके बाद टीम कुछ लड़खड़ाई और 88 रन के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए. यहां से लगने लगा कि अब एमआई के लिए जीत आसान नहीं होगी, लेकिन चौथे विकेट के लिए तिलक वर्मा और शेरेफन रदरफोर्ड ने 42 गेंदों में 61 रनों की साझेदारी ने दोबारा जीत की उम्मीद जगाई.

रदरफोर्ड के आउट होने के बाद भी तिलक ने इस उम्मीद को बरकरार रखा. तिलक ने पांचवें के लिए विल जैक्स के साथ मिलकर सिर्फ 20 गेंदों में 56* रनों अटूट साझेदारी की और टीम को जीत की लाइन पार करवा दी.

बेकार गई प्रभसिमरन सिंह की पारी

पंजाब के लिए ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 32 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 57 रन बनाए. इसके अलावा उमरजई ने सातवें नंबर पर ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए 17 गेंदों में 223.53 के स्ट्राइक रेट से 38 रन स्कोर किए. हालांकि तिलक वर्मा ने दोनों की पारियों पर पानी फेर दिया.

फीफा वर्ल्ड कप के टॉप-5 गोल स्कोरर में शामिल हैं लियोनेल मेसी, जानिए किस नंबर पर है क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लियोनेल मेसी फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल दागने वाले टॉप-5 खिलाड़ियों में शामिल हैं, लेकिन क्रिस्टियानो रोनाल्डो नहीं. जानिए वो किस पोजीशन पर हैं.

नई दिल्ली, एजेंसी | फीफा वर्ल्ड कप का 23वां संस्करण (FIFA World Cup 2026) 11 जून से शुरू होगा. इस बार वर्ल्ड कप के मेजबान 3 देश हैं. कनाडा, यूएसए और मैक्सिको मिलकर इसकी मेजबानी कर रहे हैं. इस बार 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनके बीच 104 मैच खेले जाएंगे. लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का ये आखिरी वर्ल्ड कप होगा, हालांकि अभी फाइनल स्क्वाड की घोषणा नहीं हुई है.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो दुनिया के सबसे फेमस स्पोर्ट्स पर्सन हैं, जिन्होंने फुटबॉल में कई बड़े अवार्ड जीते हैं लेकिन अभी भी वह अपनी टीम को फीफा वर्ल्ड कप नहीं जिता पाए. एक आखिरी कोशिश की उम्मीद में इस बार भी वह खेलेंगे. अभी तक 5 वर्ल्ड कप खेल चुके रोनाल्डो टॉप-5 गोल स्कोरर की लिस्ट में शामिल नहीं हैं, इसमें लियोनेल मेसी हैं. जानिए पहले नंबर पर कौन हैं और पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी किस नंबर पर हैं?

फीफा वर्ल्ड कप में टॉप गोल स्कोरर कौन हैं?

जर्मनी के Miroslav Klose फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल दागने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 4 वर्ल्ड कप (2002, 2006, 2010 और 2014) में 24 मैच खेले और 16 गोल दागे.

दूसरे नंबर पर रोनाल्डो

ये क्रिस्टियानो रोनाल्डो नहीं हैं, ये ब्राजील के दिग्गज रोनाल्डो हैं जिन्होंने 4 वर्ल्ड कप में हिस्सा (1994, 1998, 2002, 2006) लिया और 19 मैचों में 15 गोल किए.

किस नंबर पर है मेसी

लियोनेल मेसी ने फीफा वर्ल्ड कप में कुल 26 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 13 गोल दागे हैं. उनके साथ चौथे नंबर पर Just Fontaine भी हैं, जिन्होंने 13 गोल एक ही संस्करण (1958) में दागे थे.

फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल दागने वाले फुटबॉलर

- 16 - Miroslav Klose (Germany)
- 15 - Ronaldo (Brazil)
- 14 - Gerd Muller (West Germany)
- 13 - Just Fontaine (France), Lionel Messi (Argentina)
- 12 - Pele (Brazil), Kylian Mbappe (France)

किस नंबर पर हैं क्रिस्टियानो

पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 5 फीफा वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) में हिस्सा लिया है. वह एकमात्र ऐसे प्लेयर हैं, जिन्होंने 5 अलग अलग संस्करणों में गोल दागे हैं. उन्होंने कुल 8 ही गोल किए हैं, वह लिस्ट में 34वें नंबर पर हैं.

व्यापार

महंगाई का महा-विस्फोट, अप्रैल में 8.30% पर पहुंची थोक महंगाई, 42 महीने का रिकॉर्ड टूटा

अप्रैल 2026 में देश की थोक महंगाई दर बढ़कर 8.30 फीसदी पहुंच गई है. पेट्रोल, डीजल, LPG और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी इसका बड़ा कारण बनी है.

नई दिल्ली, एजेंसी | देश में महंगाई का दबाव अब तेजी से बढ़ता दिख रहा है. अप्रैल 2026 में देश की थोक महंगाई दर यानी WPI बढ़कर 8.30 फीसदी पर पहुंच गई है. जबकि मार्च में यह आंकड़ा 3.88 फीसदी थी. यह पिछले 42 महीनों यानी करीब साढ़े तीन साल का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है. जिससे आने वाले समय में रोजमर्रा की चीजों की कीमतों पर और असर पड़ सकता है.

Fuel & Power सेक्टर ने बिगाड़ा खेल -

इस बढ़ोतरी में सबसे बड़ा योगदान ईंधन सेक्टर का रहा है. Fuel & Power महंगाई मार्च के 1.05 फीसदी से उछलकर अप्रैल में 24.71 फीसदी तक पहुंच गई. वहीं कच्चे तेल की थोक महंगाई 88 फीसदी से ऊपर दर्ज की गई है.

पेट्रोल की कीमतों में 32.40 फीसदी और डीजल में 25.19 फीसदी की बढ़ोतरी ने भी महंगाई के दबाव को और बढ़ा दिया है. एलपीजी की कीमतों में भी 10.92 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. इन आंकड़ों से साफ पता चलता है कि, आम लोगों पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है.

आंकड़ों से समझिए पूरा गणित -

ईरान संकट और खाड़ी देशों में तनाव की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया उसका सीधा असर इन आंकड़ों में दिख रहा है. प्राइमरी आर्टिकल्स की महंगाई मार्च के 6.36 फीसदी से बढ़कर अप्रैल में 9.17 फीसदी हो गई. मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स में महंगाई 3.39 फीसदी से बढ़कर 4.62 फीसदी रही.

राहत देने वाली बात

Core WPI यानी खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की महंगाई 5 फीसदी पर पहुंच गई जो कि 43 महीनों का ऊंचा स्तर है. मार्च में यह 3.7 फीसदी थी. राहत की बात यह है कि खाने-पीने की चीजें ज्यादा महंगी नहीं हुई. Food Inflation मार्च के 1.85 फीसदी से बढ़कर सिर्फ 2.31 फीसदी रही. प्याज और आलू के दाम थोक बाजार में अभी भी पिछले साल से काफी नीचे हैं. DPIIT के मुताबिक मई के WPI आंकड़े 15 जून को जारी होंगे.

मुख्यमंत्री योगी का बड़ा ऐलान, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून से शुरू होंगी सेवाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि नोएडा के जेवर स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून से उड़ान सेवाएं शुरू हो जाएंगी, जो कभी अपराध के लिए बदनाम क्षेत्र के विकास और वैश्विक निवेश केंद्र में बदलने का प्रतीक है।

नई दिल्ली, एजेंसी | मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि नोएडा के जेवर स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान सेवाएं आगामी 15 जून से शुरू हो जाएंगी। आदित्यनाथ ने कहा कि हवाई अड्डे की यह परियोजना उस क्षेत्र के बदलाव को दर्शाती है, जो कभी अपराध के लिए जाना जाता था। 'उत्तर प्रदेश के बदलाव के नौ वर्ष' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर क्षेत्र, जो कभी अपराध के लिए बदनाम था, अब एक वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है।

उन्होंने कहा, '' भारत का सबसे बड़ा हवाई अड्डा जेवर में बन चुका है और 15 जून से हम वहां से उड़ान सेवाएं शुरू करने जा रहे हैं।'' विमानन कंपनी इंडिगो और अकासा एयर ने हाल ही में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानों का संचालन करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 में अपनी सरकार के सत्ता में आने से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति को बहुत खराब बताते हुए आरोप लगाया कि राज्य ''बीमारू'' बन गया था और सूबे में दंगे, अराजकता, व्यापारियों का पलायन, किसानों की आत्महत्या और पारंपरिक उद्योगों का पतन आम बात थी।

उन्होंने कहा, '' सरकार की कार्यप्रणाली में न कोई पारदर्शिता थी, न कोई नीति और न ही कोई इरादा। माफिया सरकार के समानांतर अपना राज चलाते थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद प्रशासन ने विस्तृत योजना एवं शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। आदित्यनाथ ने बताया कि पदभार संभालने के बाद लगभग एक महीने तक वह हर शाम मंत्रियों के साथ बैठकें करते थे, ताकि विभागीय प्रस्तुतियों की समीक्षा कर सकें एवं कार्ययोजनाएं तैयार कर सकें।

उन्होंने कहा, '' उस समय हमारे पास पैसे नहीं थे। यहां तक कि बैंक भी हमें कर्ज देने को तैयार नहीं थे और राजकोष लगभग खाली था।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय राज्य का वार्षिक बजट लगभग ढाई लाख करोड़ रुपये था जबकि आबादी करीब 20 करोड़ थी। आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना किसी भेदभाव या पक्षपात के, नीति-आधारित प्रोत्साहनों के माध्यम से उद्योगों को बढ़ावा देने का फैसला किया। उन्होंने कहा, '' हमने तय किया है कि हम उत्तर प्रदेश में भाई-भतीजावाद, वंशवादी राजनीति या क्षेत्रवाद को पनपने नहीं देंगे।''

बुनियादी ढांचे में हुई प्रगति पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है। यह सड़क, मेट्रो तथा रेलवे अवसंरचना के मामले में एक अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें राज्य में हो रहे तेज बदलाव की मिसाल करार दिया।

सीएनजी की कीमतों में 2 का उछाल, अब 84/kg हुई दर! ऑटो यूनियन ने की किराया बढ़ाने की मांग

मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले आम आदमी की जेब पर एक बार फिर बोझ बढ़ गया है। महानगर गैस लिमिटेड (MGL) ने गुरुवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (CNG) की कीमतों में 2 प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

मुंबई, एजेंसी | मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले आम आदमी की जेब पर एक बार फिर बोझ बढ़ गया है। महानगर गैस लिमिटेड (MGL) ने गुरुवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (CNG) की कीमतों में 2 प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इस वृद्धि के साथ ही मुंबई और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में CNG की नई कीमत 84 प्रति किलो हो गई है। नई दरें आज, 14 मई 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इससे पहले CNG की कीमत 82 प्रति kg थी। कीमतों में यह ताज़ा बढ़ोतरी ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते हुई है, जो 28 फरवरी, 2026 को शुरू हुआ था और जिसने पश्चिम एशिया में ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर दिया है। इस बीच, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत पिछले कुछ दिनों से USD 105 से ऊपर का फीका बनी हुई है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच वैश्विक भंडार में भारी गिरावट आने के कारण इस पर नज़र बनी रहेगी। इससे पहले, 12 अप्रैल, 2026 को कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी।

ऑटो यूनियन ने किराए में बढ़ोतरी की मांग की

जैसे ही MGL ने CNG की कीमतें बढ़ाईं, ऑटो यूनियन ने कथित तौर पर मूल किराए में कम से कम 1 की बढ़ोतरी की मांग करना शुरू कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह मांग परिचालन लागत में हो रही बढ़ोतरी का हवाला देते हुए की गई है।

यूनियन का तर्क है कि कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण मौजूदा किराए की दरों पर ऑटो-रिक्शा चलाना मुश्किल हो गया है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में 12 लाख से अधिक वाहन CNG से चलते हैं। इनमें लगभग 4.7 लाख ऑटो-रिक्शा, 1.6 लाख टैक्सियाँ और 5 लाख से अधिक निजी कारें शामिल हैं।

कीमतों में यह संशोधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया 'मितव्ययिता' (खर्च में कटौती) की अपील के बीच हुआ है। उन्होंने नागरिकों से ईंधन से चलने वाले वाहनों का उपयोग कम करने का आग्रह किया था और खुद भी अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है।

इसे भी पढ़ें: SIR ने पकड़ी रफ़्तार... बंगाल और बिहार में अब वोटर लिस्ट से कटे नाम वेलफेयर स्कीमों से भी होंगे बाहर

आज MGL के शेयर की कीमत

इस बीच, आज शेयर बाज़ार में ट्रेडिंग सत्र की शुरुआत शेयर में बढ़त के साथ हुई। लगातार चार दिनों की गिरावट के बाद शेयर में आज तेज़ी देखने को मिली। BSE पर पिछले बंद भाव 1,043.40 के मुकाबले शेयर 1,055.65 पर बढ़त के साथ खुला। बाद में, इसने 1,072.25 का उच्चतम स्तर भी छुआ। पिछली बार देखे जाने पर, स्टॉक 1.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,061 रुपये पर ट्रेड कर रहा था, और कंपनी का मार्केट कैप 10,480.32 करोड़ रुपये था।

चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं।

नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी

पुरानी पहचान से पीछा छुड़ाकर बनीं बॉलीवुड की बड़ी स्टार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने फिल्मों, गानों और रियलिटी शोज के जरिए करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। हालांकि, उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी था, जब लोग उन्हें सिर्फ उनकी पुरानी पहचान से देखते थे, लेकिन सनी ने मेहनत और धैर्य के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह पक्की की। चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने नर्सिंग की पढ़ाई में रुचि दिखाई और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखा। वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती थीं। हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सनी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक जर्मन बेकरी में वेट्रेस की नौकरी की। इसके अलावा, टैक्स और रिटायरमेंट फर्म में भी काम किया। इसी दौरान उनकी जिंदगी धीरे-धीरे ग्लैमर इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगी। मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें नई पहचान मिलने लगी। बाद में उन्होंने एडल्ट इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान उन्हें आलोचनाओं और तानों का सामना भी करना पड़ा। पुरानी चीजें सब छोड़कर सनी नई पहचान बनाना चाहती थी। इसके लिए उन्होंने भारत का रूख किया और पहली बार रियलिटी शो बिग बॉस में नजर आई। इस शो ने उन्हें भारतीय दर्शकों के बीच नई पहचान दिलाई। शो के दौरान ही मशहूर फिल्ममेकर महेश भट्ट ने उन्हें फिल्म जिस्म 2 का ऑफर दिया। यही फिल्म उनके बॉलीवुड करियर की शुरुआत बनी। इसके बाद उन्होंने रागिनी एमएमएस 2, एक पहेली लीला, मस्तीजादे और कई दूसरी फिल्मों में काम किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने टीवी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला को भी होस्ट किया और अपनी अलग पहचान बनाई। सनी की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। उन्होंने डेनियल वेबर से शादी की और दोनों आज खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। दोनों ने एक बेटी निशा को गोद लिया और बाद में सरोगेसी के जरिए दो बेटों के माता-पिता बने। सनी अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं।

मानसिक बीमारी पर खुलकर बोलीं लीसा रे

कहा- मदद मांगना कमजोरी नहीं, हिम्मत की निशानी है

आज के समय में मेंटल हेल्थ एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तेज रफ्तार जिंदगी, काम का दबाव, रिश्तों में दूरियां और अकेलापन कई लोगों को अंदर ही अंदर मानसिक रूप से कमजोर बना रहा है। लेकिन कई लोग ऐसे हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री लीसा रे ने भी मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ पर कई अहम बातें साझा की हैं। लीसा रे ने इंस्टाग्राम पर वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज! में अपने किरदार समारा कपूर के सीन्स की क्लिप शेयर की। इस सीरीज में उनका किरदार बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारी से जूझ रहा होता है। लीसा ने कैप्शन में लिखा, मेंटल हेल्थ अवेयरनेस मंथ हमें यह याद दिलाता है कि मानसिक उपचार एक आसान प्रक्रिया नहीं होती और हर व्यक्ति की कहानी मायने रखती है। इंसान कभी अच्छा महसूस करता है तो कभी अचानक टूट जाता है। इसी उतार-चढ़ाव को मेरे किरदार समारा कपूर ने सीरीज में दिखाने की कोशिश की थी।

उन्होंने आगे कहा, ÷समारा कपूर की कहानी में उन हजारों लोगों की जिंदगी की झलक दिखाई गई थी, जो मानसिक परेशानियों से लड़ रहे हैं। इस किरदार में दिखाया गया कि बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रहे इंसान के मन में लगातार भावनात्मक बदलाव होते रहते हैं। कभी बहुत ज्यादा खुशी महसूस होती है, तो कभी इंसान अचानक गहरी उदासी में चला जाता है। कई बार वह खुद को अकेला और असुरक्षित महसूस करने लगता है।÷

लीसा रे ने कहा, ÷सीरीज के कुछ सीन्स इतने वास्तविक थे कि मैं खुद भी भावुक हो जाती थी। समारा का अचानक गुस्सा होना, जल्दबाजी में फैसले लेना, छोटी-छोटी बातों पर टूट जाना और रिश्तों में उलझन महसूस करना सच्चाई के साथ दिखाया गया था। कई लोग अपनी परेशानी छिपाते रहते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि समाज उन्हें कमजोर समझेगा।÷

अभिनेत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि मानसिक बीमारी किसी इंसान की पहचान नहीं होती। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या से जूझ रहा है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह कमजोर है या प्यार पाने के लायक नहीं है। ऐसे लोगों को सबसे ज्यादा जरूरत समझदारी, प्यार और सहयोग की होती है। परिवार, दोस्त, सही इलाज, थेरेपी और खुलकर बातचीत मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बहुत मदद करते हैं।

लीसा रे ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों का हाल जरूर पूछें, क्योंकि कई लोग बाहर से मुस्कुराते हुए नजर आते हैं, लेकिन अंदर से टूटे हुए होते हैं। जरूरत पड़ने पर मदद मांगना कभी कमजोरी नहीं होती, बल्कि यह हिम्मत और समझदारी की निशानी है।

लारा दत्ता ने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर को दी 70वें जन्मदिन की शुभकामनाएं, की लंबी उम्र की कामना

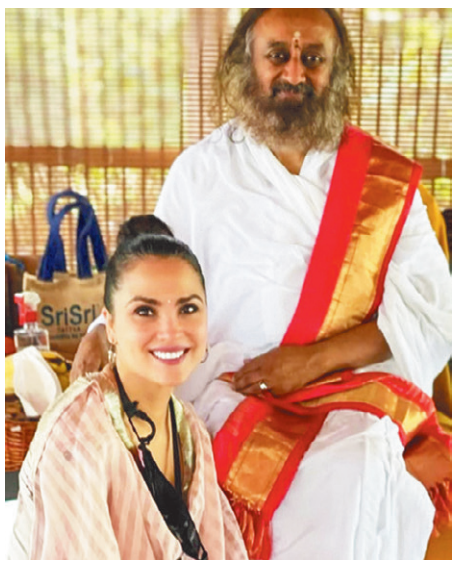

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी आध्यात्मिकता को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर के 70वें जन्मदिन पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट के जरिए लारा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए अपने दिल की बात खुलकर व्यक्त की। लारा दत्ता ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह गुरुदेव के साथ नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, गुरुदेव, 70वें जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपके साथ हमेशा सबसे मंगल हो! आप लंबी उम्र जिएं और हम हमेशा आपका सानिध्य मिलता रहे। लारा दत्ता के पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

लारा दत्ता के बारे में बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट से की, जहां उन्होंने 1997 में मिस इंटरकॉन्टिनेंटल और फिर साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और 2003 में फिल्म अंदाज से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड भी मिला।

एक यूजर ने लिखा, बहुत सुंदर विचार और बहुत प्यारी तस्वीरें

दूसरे यूजर ने लिखा, गुरुदेव को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं: अन्य ने लिखा, आपकी श्रद्धा और सम्मान देखकर बहुत अच्छा लगा, सच में इंस्पायरिंग और भगवान आपको और आपके परिवार को हमेशा खुश रखे, जय गुरुदेव

लारा दत्ता के बारे में बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट से की, जहां उन्होंने 1997 में मिस इंटरकॉन्टिनेंटल और फिर साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। इसके बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और 2003 में फिल्म अंदाज से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड भी मिला।

इसके बाद उन्होंने मस्ती, नो एंट्री, जुर्म, काल, भागम भाग, पार्टनर, हाउसफुल और ब्लू जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया। डॉन 2 में भी उन्होंने शाहरुख खान के साथ अहम भूमिका निभाई। लारा ने केवल फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि ओटीटी और टीवी की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने बीचम हाउस जैसी इंटरनेशनल वेब सीरीज, हंड्रेड, कौन बनेगी शिखरवती और रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड जैसे डिजिटल प्रोजेक्ट्स में भी दमदार अभिनय किया। बेल बॉटम में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने सराहा। इसके अलावा उन्होंने सिंह इज ब्लिंग, फितूर, अजहर और वेलकम टू न्यूयॉर्क जैसी फिल्मों में भी काम किया।

धुरंधर की भी शुरुआत में खूब हुई आलोचना, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बोले आयुष्मान खुराना

अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी अपकमिंग फिल्म पति पत्नी और वो दो की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटे अभिनेता ने फिल्मों पर सोशल मीडिया के पड़ने वाले असर को लेकर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आजकल ट्रेलर या टीजर रिलीज होते ही लोग आलोचना शुरू कर देते हैं, लेकिन अच्छी फिल्में हमेशा लोगों का दिल जीत लेती हैं। आयुष्मान खुराना ने आईएएनएस से बातचीत में अभिनेता रणवीर सिंह और आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण देते हुए कहा कि इसके फर्स्ट लुक और ट्रेलर को शुरुआत में काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं, लेकिन फिल्म रिलीज होने के बाद इसने लाखों दर्शकों का दिल जीत लिया। आयुष्मान ने कहा, हर एक्टर अपने करियर की शुरुआत में एक हनीमून पीरियड से गुजरता है। आपको सबका प्यार मिलता है। लेकिन, कुछ सालों बाद, जब आप अपने करियर के शिखर पर पहुंच जाते हैं, तो आलोचना भी मिलती है। लेकिन लोग अंडरडॉग यानी संघर्षरत व्यक्ति का साथ देते हैं। जब आप संघर्ष से पार पा जाते हैं तो लोग आलोचना करने लगते हैं।

उन्होंने आगे समझाया कि हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सभी से प्यार एक जैसा नहीं मिल सकता। पहले भी आलोचना होती थी, लेकिन अब सोशल मीडिया की वजह से वह सार्वजनिक हो गई है। पहले हम ऐसी बातें चाय की दुकान, सैलून या कोने में सुनते थे, अब सोशल मीडिया पर खुलकर चर्चा होती है।

धुरंधर के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, मुझे पर्सनली धुरंधर का ट्रेलर बहुत पसंद आया था, लेकिन उसके आसपास बहुत ज्यादा नकारात्मकता थी। मुझे समझ नहीं आया कि इतनी नकारात्मकता क्यों थी। फिल्म ने क्या जबरदस्त कमाल दिखाया है। यह सच में एक शानदार फिल्म है। उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा, यह एक बेंचमार्क है। इसकी कोई मिसाल नहीं है। अब इस बेंचमार्क को तोड़ना बहुत मुश्किल होगा। अच्छी फिल्ममेकिंग और अच्छी कहानी हमेशा चलती है। चाहे वह 12वीं फेल जैसी छोटी फिल्म हो या धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म सिस्टम का ट्रेलर रिलीज, दमदार लुक में अभिनेत्री आई नजर

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म सिस्टम का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सोनाक्षी एक सरकारी वकील नेहा राजवंश की भूमिका में हैं, जो ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर के साथ सत्ता और न्याय के बीच छिपी सच्चाई को उजागर करती हैं। 1 मिनट 59 सेकंड के ट्रेलर को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इसकी शुरुआत एक जुनूनी युवा वकील नेहा (सोनाक्षी सिन्हा) से होती है। वह अपने पिता (आशुतोष गोवारिकर) की तरफ से मिली एक मुश्किल चुनौती को स्वीकार करती है ताकि वह उनकी फर्म में पार्टनरशिप की हकदार बन सके, लेकिन इस चुनौती को पूरा करना इतना आसान भी नहीं होता है, जिसके लिए वह सारिका (ज्योतिका) को अपने साथ शामिल करती है। वह एक तेज-तर्रार कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है, जिसके मन में कुछ इरादे छिपे हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, कोर्टरूम की जोरदार लड़ाइयों, उलझे हुए रिश्तों और कुछ दमदार पलों की एक तेज-तर्रार झलक देखने को मिलती है, जहां पर अमीरी के शोर में गरीबी की आवाज खो जाती है। फिल्म का निर्देशन और सह-लेखन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया। उनका मानना है कि सिस्टम जैसी तमाम कहानियां हमारे आस-पास ही होती है, लेकिन लोगों के सामने नहीं आ पाती हैं। उन्होंने कहा, ÷मेरा मानना ??है कि हमारे आस-पास अनगिनत कहानियां मौजूद हैं, लेकिन उन्हें स्क्रीन पर पूरी सच्चाई और क्रिएटिविटी के साथ उतारना मुश्किल काम है। मुझे खुद को चुनौती देना पसंद है, और शायद इसीलिए मैंने सिस्टम बनाई है। मैं बहुत खुश हूं कि प्राइम वीडियो ने हमारे विजन पर भरोसा किया।

उन्होंने आगे फिल्म के कलाकारों की तारीफ करते हुए कहा, ÷सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका जैसी दो दमदार महिला किरदारों के साथ काम करना, जो इस कहानी की जान हैं, मुझे पूरा यकीन है कि यह ओरिजिनल फिल्म न सिर्फ लोगों का मनोरंजन करेगी, बल्कि भारत और दुनिया भर के दर्शकों के बीच सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की शुरुआत भी करेगी।÷

फिल्म में अभिनेत्री सोनाक्षी नेहा राजवंश नाम की हाई-प्रोफाइल और महत्वाकांक्षी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर (वकील) की भूमिका में हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, ÷इस किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। मुझे हमेशा ऐसी कहानियां पसंद आती हैं, जो एक अभिनेता के तौर पर मुझे चुनौती दे और प्राइम वीडियो ने मुझे दहाड़ से लेकर अब सिस्टम तक अलग अलग तरह की कहानियों और विषयों को आजमाने का मौका दिया है।

उन्होंने आगे कहानी के बारे में बताते हुए कहा, ÷इस फिल्म की कहानी उस समाज की कहानी को उजागर करती है, जहां कभी-कभी इंसाफ भी हमारे आस-पास मौजूद सामाजिक ढांचों की तरह ही बंटा हुआ नजर आता है। मैं यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं कि जब सिस्टम रिलीज होगी, तो दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे।

वर्दी धारण करने के बाद पुलिसकर्मी का एकमात्र धर्म जनसेवा, कानून पालन एवं राष्ट्रहित – डीजीपी

साधना एक्सप्रेस भोपाल

, आशीष नेमा, 25वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल, भोपाल में गुरूवार को नव आरक्षकों के दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने बतौर मुख्य अतिथि सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है तथा आरक्षक पुलिस संगठन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 11 माह के कठिन प्रशिक्षण, अनुशासन एवं समर्पण के बाद तैयार हुए ये नव आरक्षक भविष्य में पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को और अधिक सशक्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अवधि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण होती है, जहां टीम भावना, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं व्यवहारिक पुलिसिंग की सीख जीवनभर साथ रहती है। प्रशिक्षण के दौरान नव आरक्षकों को आउटडोर गतिविधियों, वेपन ट्रेनिंग, बलवा ड्रिल, कानून व्यवस्था, साइबर क्राइम, आधुनिक तकनीक एवं भीड़ नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में प्रशिक्षित किया गया है, जो भविष्य की ड्यूटी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध, कानून व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा बड़ी चुनौतियाँ हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस बल को तकनीकी रूप से दक्ष और शारीरिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। उन्होंने विशेष सशस्त्र बल एवं मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों द्वारा नक्सल विरोधी अभियानों, दस्यु उन्मूलन, चुनाव ड्यूटी तथा अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में किए गए साहसिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान तत्परता, मानवीय संवेदनशीलता एवं साहस का परिचय देते हुए पुलिस जवानों ने अनेक अवसरों पर लोगों को सीपीआर के माध्यम से जान बचाकर पुलिस की जनसेवा की भावना को सशक्त किया है।

उन्होंने आगामी सिंहस्थ-2028 को मध्यप्रदेश पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक, ड्रोन सर्विलांस, सीसीटीवी मॉनिटरिंग एवं इंटीग्रेटेड कमांड सिस्टम जैसी व्यवस्थाओं में दक्षता भविष्य की पुलिसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी।

पुलिस महानिदेशक ने नव आरक्षकों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने, ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं संविधान के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करने तथा लगातार जनसंवाद करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि वर्दी धारण करने के बाद पुलिसकर्मी का एकमात्र धर्म जनसेवा, कानून का पालन एवं राष्ट्रहित होता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसुरक्षा और विश्वास से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है।। प्रत्येक पुलिसकर्मी को आमजन के प्रति संवेदनशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया एवं निष्पक्ष कार्यप्रणाली के साथ कार्य करना चाहिए। जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है।

समारोह के दौरान 25वीं वाहिनी, विसबल भोपाल के सेनानी श्री नागेंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ 15 जून 2025 को किया गया था, जिसमें महिला एवं पुरुष नव आरक्षकों को फायरिंग, रायट ड्रिल, कानून व्यवस्था, शारीरिक दक्षता एवं कानून के मूलभूत ज्ञान सहित आधुनिक पुलिसिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में पहली बार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में साइबर क्राइम एवं सोशल मीडिया संबंधी अपराधों को शामिल किया गया, जिससे प्रशिक्षुओं को साइबर अपराधों से जुड़े "डूज एंड डोन्ट्स" की जानकारी भी दी गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में कई नव आरक्षक साइबर कमांडो के रूप में भी अपनी भूमिका निभाएंगे।

श्री नागेन्द्र सिंह ने बताया कि नवआरक्षकों ने राजकोट, गुजरात में आयोजित 74वीं अखिल भारतीय पुलिस हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 तथा जम्मू में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस कबड्डी क्लस्टर प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रशिक्षण संस्थान को गौरवान्वित किया।

श्री सिंह ने कहा कि आरक्षक पुलिस विभाग की रीढ़ होते हैं तथा अनुशासन, शारीरिक दक्षता और जनसेवा की भावना के साथ प्रशिक्षित ये नव आरक्षक भविष्य में मध्यप्रदेश पुलिस के "देशभक्ति, जनसेवा" के ध्येय वाक्य को और अधिक सशक्त करेंगे।

समारोह के दौरान नव आरक्षकों द्वारा आकर्षक साइलेंट ड्रिल प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसमें अनुशासन, तालमेल एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण दक्षता की प्रभावशाली झलक दिखाई दी। इसके साथ ही प्रशिक्षुओं ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन कर शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन एवं फिटनेस के प्रति अपनी सजगता का परिचय दिया।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षक श्री देवेन्द्र कुमार गुप्ता 9वीं वाहिनी रीवा को प्रथम एवं श्री हर्षित कुशवाह 36वीं वाहिनी बालाघाट को द्वितीय पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही इनडोर एवं आउडडोर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नव आरक्षकों को भी सम्मानित किया। उन्होंने सफल आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों एवं परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री चंचल शेखर, पुलिस महानिरीक्षक श्री इरशाद वली, पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, विशेष सशस्त्र बल के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में नव आरक्षकों के परिजन उपस्थित रहे।

मानस भवन, जबलपुर में प्रतिभाओं का भव्य उत्सव

साधना एक्सप्रेस भोपाल

"किड्स टैलेंट शो – सीज़न 2" बना बच्चों के सपनों को उड़ान देने वाला शानदार मंच

MMM ENTERPRISES की आयोजक मनीषा गुप्ता द्वारा आयोजित "किड्स टैलेंट शो – सीज़न 2" ने जबलपुर के प्रतिष्ठित मानस भवन में बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का एक भव्य उत्सव प्रस्तुत किया।

जबलपुर 10 मई 2026 को आयोजित इस शानदार कार्यक्रम ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि शहर में बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक और यादगार मंच के रूप में अपनी विशेष पहचान भी बनाई।

कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी कला का मनमोहक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। बच्चों ने सिंगिंग, डांसिंग, मॉडलिंग, एक्टिंग एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरे सभागार को तालियों और उत्साह से गूंजा दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद नन्हे कलाकारों ने मंच पर अपने आत्मविश्वास, ऊर्जा और प्रतिभा से ऐसा समां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।

इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि आयोजक मनीषा गुप्ता ने बच्चों को केवल प्रतियोगिता का मंच ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि — "हर बच्चे में एक अलग प्रतिभा छिपी होती है, जरूरत केवल उसे सही मंच और सही दिशा देने की होती है।

विजेताओं ने बिखेरा अपनी प्रतिभा का जादू

इस भव्य आयोजन में अवीर, काशिका, वैभव, अक्षिता, अविका, इशिता विनोदिया, लव्यांश, कनक ठाकुर, आराध्या नामदेव, अग्रिम, कामना एवं गरिमा श्रीवास, निशा एवं ईशा जैन, नियांशी, ईशा, शान्वी तिवारी, आराध्या साहू एवं अंबिका पांडेय ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीतते हुए विजेता स्थान प्राप्त किया।

अनुभवी निर्णायक मंडल की रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में ईशान मिनोचा, अशोक चंदवानी, स्वप्निता राय चौकसे

विशेष रूप से उपस्थित रहे। निर्णायकों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया।

मुख्य अतिथि रत्नेश सोनकर जी ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर जी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच बच्चों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए विशेष रूप से मनीषा गुप्ता एवं MMM ENTERPRISES के प्रयासों की प्रशंसा की।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती रश्मि क्षत्री का विशेष सहयोग, मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन सराहनीय रहा।

प्रायोजकों का रहा महत्वपूर्ण योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में

खबरों का तड़का unibc Pre-schol

सिया TVS

UNEEK कैफ़े केटेरर्स

थे आर्ट ऑफ सलोन रूचि फैंसी डिज़ाइन फैंसी फ्रैंसी मैक्स इंडिया एंकर प्रिया आनंद

का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा।

शो स्टॉपर बनीं प्रियंशी रावानी

प्रियंशी रावानी ने अपने आकर्षक व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और शानदार प्रस्तुति से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए "Show Stopper Of The Show" का विशेष सम्मान प्राप्त किया।

मुंबई के प्रोडक्शन हाउस का रहा विशेष सहयोग

इस भव्य आयोजन का संचालन एवं प्रोडक्शन Hyena Entertainments, Mumbai द्वारा किया गया, जिसने कार्यक्रम को प्रोफेशनल और शानदार स्वरूप प्रदान किया।

बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने वाला मंच

"किड्स टैलेंट शो – सीज़न 2" केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आयोजक मनीषा गुप्ता द्वारा बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और सपनों को नई उड़ान देने वाला एक प्रेरणादायक मंच बनकर उभरा।

"हर बच्चे में छिपा है एक सितारा जरूरत है सिर्फ सही मंच की।"

कलेक्टर ने किया उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण, तौल-कांटे कम मिलने पर की सख्त कार्रवाई

समिति प्रबंधक निलंबित, खरीदी प्रभारी का वेतन काटने और नोडल अधिकारी की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

ग्वालियर,निप्र। लक्ष्मीगंज मंडी स्थित सीडब्ल्यूसी के गोदाम परिसर में हरिलीला सहकारी समिति द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये संचालित खरीदी केन्द्र पर तौल-कांटे कम मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने यहां के समिति प्रबंधक रामकृष्ण साहू को निलंबित कर दिया है। साथ ही खरीदी प्रभारी का वेतन काटने और इस क्षेत्र के नोडल अधिकारी की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान मंगलवार की दोपहर लक्ष्मीगंज मंडी स्थित सीडब्ल्यूसी गोदाम परिसर में तिघरा सहकारी समिति व हरिलीला सहकारी समिति द्वारा संचालित अलग-अलग उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने पहुँची थीं। निरीक्षण के दौरान उन्हें हरिलीला समिति के उपार्जन केन्द्र पर कम तौल-कांटे मिले, जिससे उपज बेचने आए किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा था। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई और समिति प्रबंधक सहित अन्य संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ-साथ तत्काल तौल-कांटे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा खरीदी केन्द्र पर किसानों को पेयजल के लिये पूर्व से लगे वाटरकूलर के अलावा मटके भी रखवाएं। उन्होंने दोनों खरीदी केन्द्रों पर

किसानों के लिये उपलब्ध कराई जा रहीं सुविधाओं की जानकारी भी लीं। खरीदी केन्द्रों पर गुड़-चना व शीतल पेयजल इत्यादि की व्यवस्था पाई गई। साथ ही खरीदी केन्द्र के प्रभारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित स्लॉट के अनुसार ही खरीदी की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सर्वेयर को निर्देश दिए कि खरीदी से पहले एफएक्यू के अनुसार गेहूँ की गुणवत्ता अवश्य देखें। उपार्जित गेहूँ सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किया जाता है। इसलिये इसकी गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने किसानों से भी साफ-सुथरा एवं छना हुआ गेहूँ लेकर आने का आग्रह किया, ताकि तुलाई कार्य तेजी से हो सके।

हर केन्द्र पर कम से कम 6 तौल-कांटे सक्रिय रखना अनिवार्य

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये स्थापित प्रत्येक खरीदी केन्द्र कम से कम 6 तौल-कांटे अवश्य रहें, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिये ज्यादा इंतजार न करना पड़े। जिस भी खरीदी केन्द्र पर तौल-कांटे कम मिले और किसानों के लिये सुविधाओं की कमी हुई तो वहां के समिति प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

उपार्जित गेहूँ जल्द से जल्द गोदाम में पहुँचाएं

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देश दिए कि समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूँ का तत्परता से सुरक्षित भण्डारण कराएं, जिससे बेमौसम बारिश से गेहूँ खराब न हो। इस काम में ढ़िलाई नहीं बरती जाए।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर,निप्र। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं श्री मुनीश सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 29 महलगांव के समस्त एमपी राज्य कर्मचारी आवास कॉलोनी के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि सीवर लाइन काफी पुरानी होने से क्षतिग्रस्त हो गई जिस कारण सीवर का पानी सडक पर बहता है आवेदकों ने सीवर लाइन ठीक कराये जाने के संबंध में, वार्ड 52 गुढी पायगा के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि वर्तमान में जो सीवर लाइन डली है वह छोटी होने के कारण बार-बार चौक हो रही है तथा सीवर ओवर फ्लो हो रही है आवेदकों ने नई सीवर लाइन डलवाये जाने के संबंध में, वार्ड 5 आनंद नगर के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि

बडा पार्क पर चल रहे विकास कार्यों मानक अनुरूप नहीं किए जा रहे, आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध सहित अन्य आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 21 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना : ग्वालियर में 540 युवाओं की हुई फिजीकल स्क्रीनिंग

सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए पिछडे वर्ग के युवाओं को दिया जायेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

ग्वालियर,निप्र। शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 के तहत ग्वालियर में अन्य पिछड़े वर्ग के युवाओं की फिजीकल स्क्रीनिंग की गई। शारदा बिहार सिटी सेंटर स्थित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र में यह प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें पिछड़ा वर्ग के 421 बालकों और 119 बालिकाओं सहित कुल 540 अभ्यर्थियों ने भाग लिया।मध्य प्रदेश सरकार के अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने यह योजना शुरू की है। योजना का उद्देश्य सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना है। सहायक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्रीमती कृति दीक्षित ने बताया कि पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग विभिन्न विभागों के सहयोग से हुई। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग, खेल-कूद विभाग, पुलिस और जिला सैनिक कल्याण विभाग शामिल रहे। उन्होंने बताया कि स्क्रीनिंग में चयनित युवाओं को 45 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुरुष और

महिला दोनों अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण आई.पी.एस. ग्रुप ऑफ कॉलेज, वेला की बावड़ी, ग्वालियर में होगा।

शारीरिक और सैद्धांतिक दोनों तैयारी होगी, शिष्यवृत्ति भी दी जायेगी

प्रशिक्षण में रनिंग, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक और भाला फेंक जैसी शारीरिक गतिविधियों का अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, गणित, कंप्यूटर और अंग्रेजी जैसे सैद्धांतिक विषयों की भी पढ़ाई होगी।हर माह शिष्यवृत्ति भी मिलेगी। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। चयनित अभ्यर्थियों को आवास, भोजन और अध्ययन सामग्री भी निःशुल्क दी जाएगी। प्रशिक्षण अवधि में पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को 1000 रुपये प्रतिमाह तथा महिला प्रशिक्षणार्थियों को 1100 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।) | RNI NO. MPHIN/2022/84698